लखनऊ

गुरुवार, 17 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 96

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

सफलता तुम्हारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता तुम्हें दुनिया का परिचय करवाती है।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

'हमें भारत पर दबाव बनाने की जरूरत'

ओटेवा। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत आमने-सामने हैं। दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के बाद रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने भी भारतीय राजनयिकों पर हत्या का बेशर्मी से आरोप लगाया है। इन सबके बीच, कनाडा के सिख नेता जगमीत सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय राजनयिकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। गौरतलब है, लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच कनाडा ने सोमवार को एक बार फिर आपत्तिजनक बयान दिया था। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत कनाडा में 'मौलिक त्रुटि' कर रहा है। साथ ही यहां कि पुलिस ने बेबुनियाद आरोप लगाया था कि भारतीय राजनयिक और वाणिज्य दूतावास के अधिकारी पद का लाभ उठाकर गुप्त जानकारियां जुटाने में शामिल रहे हैं। वहीं, इन सब आरोपों को भारत ने मंगलवार को सिरे से नकार दिया। उसने कहा कि कनाडा आतंकवादी समूहों को शरण दे रहा है और अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। कनाडा सरकार द्वारा भारत के खिलाफ आरोपों के बारे में जानकारी दिए जाने के एक दिन बाद जगमीत सिंह ने आरएसएस पर विवादित टिप्पणी की और कहा, 'हम मांग करते हैं कि लिबरल सरकार भारतीय राजनयिकों पर कड़े प्रतिबंध लागू करे और भारत से आरएसएस को बाहर कर दे।'

एस जयशंकर के पाकिस्तान दौरे का आज दूसरा दिन, सुबह की सैर की और उच्चायोग में लगाया पेड़

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के पाकिस्तान दौरे का आज दूसरा दिन है। विदेश मंत्री ने आज सुबह पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग में सुबह की सैर का आनंद लिया। साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उच्चायोग में पेड़ भी लगाया। गौरतलब है कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक आज जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगी, जिसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सभी सदस्य देशों के नेताओं का स्वागत करेंगे। इसके बाद सभी नेताओं की ग्रुप फोटो ली जाएगी और बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री संबोधन की शुरुआत करेंगे। एससीओ बैठक के दौरान विभिन्न नेताओं के संबोधन के बाद कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार और एससीओ के महासचिव झांग मिंग मीडिया से बात कर सकते हैं। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री सभी मेहमानों के सम्मान में आधिकारिक भोज का आयोजन करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, एससीओ की बैठक में आर्थिक सहयोग, व्यापार, पर्यावरण के मुद्दों और सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर फोकस रहेगा। भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस जयशंकर कर रहे हैं। हालांकि बैठक से इतर भारत पाकिस्तान के बीच कोई भी द्विपक्षीय वार्ता नहीं होगी।

कानून अब अंधा नहीं... 'न्याय की देवी' की नई मूर्ति की आंखों से हटी पट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में बदलाव हुआ है न्याय की देवी की आंखों की पट्टी हट गई है और इसके अलावा उसके हाथ से तलवार भी हटा दी गई है।

अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है। इसके अलावा एक और बड़ा बदलाव हुआ है दशहरे की छुट्टियों में सुप्रीम कोर्ट के सामने तिलक मार्ग पर एक बड़ी वीडियो वॉल लग गई है जिसमें हर समय सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस क्लॉक चलती है जिससे सुप्रीम कोर्ट में मुकदमों की रियल टाइम जानकारी जानी जा सकती है। खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वॉला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजेस लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। जजेस लाइब्रेरी में न्याय की देवी की एक बड़ी सी नई प्रतिमा लगी है जिसकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है। इसके अलावा नई प्रतिमा के हाथ में तलवार भी नहीं है। नई मूर्ति के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार की जगह एक पुस्तक है जो कानून की किताब या संविधान जैसी दिखती है हालांकि उस पर संविधान नहीं लिखा है। नई प्रतिमा से बराबरी के व्यवहार से संतुलित न्याय का संदेश बुलंद होता है। यह संदेश जाता है कि कानून अंधा नहीं है।

तिलक मार्ग पर लगी जस्टिस क्लॉक

सुप्रीम कोर्ट के कामकाज का रोजाना का हिसाब प्रतिपल जनता के सामने पेश करती है। वैसे जस्टिस क्लॉक को वेबसाइट पर देखा जा सकता था लेकिन आम जनता को सीधे जानकारी पहुंचाने और व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए जस्टिस क्लॉक का वीडियो वॉल लगाया गया है। ऐसी ही जस्टिस क्लॉक सुप्रीम कोर्ट के दूसरी ओर मथुरा रोड पर भी लगाए जाने का प्रस्ताव है और हो सकता है कि दीपावली की छुट्टियों में वहां भी एक सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस क्लॉक लग जाए। जस्टिस क्लॉक में सुप्रीम कोर्ट में दर्ज हुए, निपटाए गए और लंबित मुकदमों का वर्षवार, तारीखवार, ब्योरा देखा जा सकता है।

कानून प्रतिष्ठा को नहीं देखता

वैसे बताते चलें कि न्याय की देवी की यह मूर्ति पिछले वर्ष जजेस लाइब्रेरी में हुए रिनोवेशन के दौरान लगाई गई थी। न्याय की देवी की जो पुरानी मूर्ति थी उसकी आंखों पर पट्टी बंधी थी। उस मूर्ति के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में तलवार थी। जिससे यह संदेश जाता था कि कानून किसी की दौलत पद प्रतिष्ठा को नहीं देखता। लेकिन नई मूर्ति की आंखों से पट्टी हट गई है।

कानून अंधा नहीं होता

सूत्र बताते हैं कि प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के कहने पर नई मूर्ति लगी है। उसकी आंखों में पट्टी नहीं है। प्रधान न्यायाधीश मानते हैं कि कानून अंधा नहीं है बल्कि कानून सभी को समान मानता है। न्याय की देवी के हाथ से तलवार हटाने का भी संकेत शायद औपनिवेशिक काल की चीजों को छोड़ना है।

पीएम मोदी ने दी बधाई

उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम पद की शपथ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेगा।

पीएम मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला जी को बधाई। लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं। केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का सीएम बनने पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला को बधाई। मुझे उम्मीद है कि राज्य में शासन की गति आगे बढ़ती रहेगी और उनकी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम होगी। एक सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद की शपथ ली। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर अब्दुल्ला के अलावा सुरेंद्र चौधरी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। साथ ही सकीना इट्टू, जावेद राणा, जावेद डार और सतीश शर्मा ने मंत्री पद की शपथ ली। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव समेत इंडिया ब्लॉक के कई नेता शामिल हुए। केंद्र शासित प्रदेश में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने उमर अब्दुल्ला की सरकार को बाहर से समर्थन देने का फैसला किया है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे की बात करें तो, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) को 42 और कांग्रेस को 6 सीटों पर जीत मिली। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के खाते में 28 सीटें आई।

मोदी सरकार का बड़ा ऐलान, दीवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दीवाली से पहले केंद्र सरकार ने करोड़ों कर्मचारियों और पेंशनर्स को बड़ा तौहफा दिया है। सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। मोदी कैबिनेट ने आज बुधवार को अपनी बैठक में आधिकारिक तौर पर महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। 3 फीसदी की इस बढ़ोतरी के बाद अब कर्मचारियों को मिलने वाला डीए बढ़कर 53 फीसदी हो जाएगा। इस बढ़ोतरी से 1 करोड़ से अधिक केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। बता दें कि डीए बढ़ोतरी 1 जुलाई 2024 से प्रभावी है। ये भी बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी जुलाई से दिसंबर महीने तक के लिए है। ऐसे में केंद्रीय कर्मचारियों को अक्टूबर की सैलरी में तीन महीने- जुलाई, अगस्त और सितम्बर का ष्ट्र एरियर भी मिलेगा। दरअसल, केंद्र सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देता है, जबकि पेंशनभोगियों को डीआर दिया जाता है। सामान्य तौर पर, डीए और डीआर में साल में दो बार बढ़ोतरी की जाती है- जनवरी और जुलाई। अभी एक करोड़ से ज्यादा केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 50 फीसदी महंगाई भत्ता मिल रहा है। इससे पहले बीते मार्च महीने में सरकार ने 4त्न डीए बढ़ाने का ऐलान किया था। 2006 में, केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए डीए और डीआर की गणना करने के फॉर्मूले को संशोधित किया था। 30 सितंबर को कन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लेटर लिखकर डीए/डीआर बढ़ोतरी की घोषणा में देरी पर चिंता व्यक्त की थी। इसके साथ आपको ये भी बता दें कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों का ष्ट्र उनके बेसिक सैलरी के आधार पर तय किया जाता है।

'केजरीवाल भ्रष्टाचार कर ही नहीं सकता'

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली की जनता के नाम एक खत लिखा। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें आखिर क्यों गिरफ्तार किया गया? केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में जो मैं आपके लिए काम कर रहा हूं, आपको जो सुविधाएं दे रहा हूं, वो काम रोकने के लिए और वो सुविधाएं बंद करने के लिए मुझे गिरफ्तार किया। ये दिल्ली के काम क्यों रोकना चाहते हैं?

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो फ्री बिजली, मोहल्ला क्लिनिक, फ्री पानी, महिलाओं का बसों में फ्री सफर, बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा बंद कर दी जाएगी। आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का खत शेयर किया है। इस खत में उन्होंने लिखा, इन लोगों ने मुझे 5 महीने जेल में रखा। इन्होंने मुझे गिरफ्तार क्यों किया? आपको असली कारण पता चलेगा तो आपके होश उड़ जाएंगे। ये तो सब जानते हैं कि मैंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया। केजरीवाल भ्रष्टाचार कर ही नहीं सकता। फिर इन्होंने मुझे गिरफ्तार क्यों किया? क्योंकि दिल्ली में जो मैं आपके लिए काम कर रहा हूं, आपको जो सुविधाएं दे रहा हूं, वो काम रोकने के लिए और वो सुविधाएं बंद करने के लिए इन्होंने मुझे गिरफ्तार किया। ये दिल्ली के काम क्यों रोकना चाहते हैं? मैंने दिल्ली में वो काम कर दिए जो आज तक देश में कभी नहीं हुए। इनकी 22 राज्यों में सरकारें हैं। वहां ये लोग दिल्ली वाले काम नहीं कर पा रहे। वहां जनता ने इनसे अब पूछना शुरू कर दिया है कि दिल्ली वाले काम उन राज्यों में क्यों नहीं हो रहे। इसका इनके पास कोई जवाब नहीं है। पंजाब में हमारी जीत के बाद इनको लगने लगा कि अगर जल्द ही दिल्ली के काम नहीं रोके गए तो पूरे देश में इनकी दुकानें बंद हो जाएगी और आम आदमी पार्टी पूरे देश में आ जाएगी। केजरीवाल ने आगे लिखा, पिछले 10 साल में इन्होंने कई बार एलजी के जरिए दिल्ली के काम रोकने की कोशिश की। लेकिन, मैंने आपका कोई काम रुकने नहीं दिया। मैं पढ़ा-लिखा हूं। पहले सरकार में अफसर रह चुका हूं। इसलिए मुझे पता है सरकार में काम कैसे करवाना है। जब ये उसमें सफल नहीं हुए तो इन्होंने मुझे गिरफ्तार कर लिया। मेरे काम से इन्हें इतना डर है कि इन्होंने जेल में हर तरह की कोशिश की कि मैं सही सलामत बाहर न आ सकूं। इन्होंने जेल में मेरी दवाइयां बंद कर दी। मैं शुगर का मरीज हूं और पिछले दस साल से मुझे रोज चार बार इंसुलिन के इंजेक्शन लगते हैं। इन्होंने जेल में मेरे इंजेक्शन बंद कर दिए। इससे मेरी किडनी खराब हो सकती थी और मेरी मौत भी हो सकती थी। इनके इतने षड्यंत्र के बाद भी भगवान की कृपा, आप सब के आशीर्वाद, संविधान की ताकत और सुप्रीम कोर्ट के न्याय की वजह से मैं जेल से बाहर आ गया। जब मैं जेल में था तो मेरे पीछे से इन्होंने दिल्ली के कई काम रोक दिए।

जैसे टूटी सड़कों की मरम्मत, सीवर सफाई, पानी सप्लाई, अस्पतालों में दवा, टेस्ट आदि। लेकिन, जेल से निकलते ही मैंने धड़ाधड़ सारे रुके काम करवाने शुरू कर दिए। तो, इस षड्यंत्र में भी ये लोग सफल नहीं हुए। जैसे जेल से छूटते ही मैंने दिल्ली की टूटी हुई सड़कों की युद्ध स्तर पर रिपेयर शुरू करवा दी। दूसरे रुके हुए काम भी शुरू करवा दिए। अब इन्होंने प्लान बनाया है कि किसी भी तरह सत्ता हासिल करके ये दिल्ली के काम बंद करेंगे। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील करते हुए लिखा, अब बात आपके हाथ में है। अगर आपने इनको आने वाले दिल्ली के चुनावों में वोट देकर जिता दिया तो ये लोग दिल्ली के सारे काम ज़रूर रोक देंगे। जैसे- सबसे पहले ये लोग आपकी फ्री बिजली बंद करेंगे। पहले की तरह फिर से दिल्ली में पावर कट लगने चालू हो जाएंगे जो हमारी सरकार आने के पहले लगते थे। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और सरकारी अस्पतालों को बर्बाद कर दिया जाएगा। मोहल्ला क्लिनिक बंद कर दिए जाएंगे। फ्री दवाइयां, फ्री टेस्ट और फ्री इलाज बंद कर दिए जाएंगे। आपका फ्री पानी बंद कर देंगे। महिलाओं का बसों में फ्री सफर बंद कर देंगे। बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा बंद कर देंगे। सड़क एक्सीडेंट में हर घायल का पूरा इलाज फ्री करवाने वाली 'फरिश्तेÓ योजना बंद कर देंगे। जिन 22 राज्यों में इनकी सरकारें हैं, वहां लंबे-लंबे पावर कट लगते हैं, बिजली-पानी बहुत महंगे हैं, सरकारी स्कूल और अस्पताल टूटे पड़े हैं। जनता में त्राहि-त्राहि है। ये लोग वही हाल दिल्ली का कर देंगे। मैं जेल गया, केवल आपके लिए। अगर मैं दिल्ली में आपके लिए ये सब काम ना करता और आपको ये सुविधाएं ना देता तो ये लोग मुझे कभी जेल ना भेजते। अगर मनीष सिसोदिया आपके बच्चों के लिए अच्छे स्कूल ना बनाता तो वो कभी जेल ना जाता। अगर सत्येंद्र जैन मोहल्ला क्लिनिक और अस्पतालों में आपके लिए फ्री दवाइयों और फ्री इलाज का इंतजाम ना करता तो वो कभी जेल ना जाता। आखिर में केजरीवाल ने लिखा, मैं, मनीष और सत्येंद्र आपके लिए जेल गए, इसका हमें बिल्कुल गम नहीं। हमारी पूरी जिंदगी देश और समाज के लिए समर्पित है। लेकिन, पिछले 10 वर्षों में कड़ी मेहनत और ईमानदारी से हमने आपके साथ मिलकर जो काम किए हैं, वो अब बंद नहीं होने चाहिए, ये हमारी चिंता है।

एक भगोड़ा कैसे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकता है? केंद्र सरकार ने जाकिर नाइक पर उठाया सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। विवादों में रहने वाले इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर केंद्र सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। सरकार ने जाकिर नाइक की याचिका पर बुधवार को सवाल उठाया, जिसमें 2012 में गणपति उत्सव के दौरान दिए उसके कथित आपत्तिजनक बयानों को लेकर विभिन्न राज्यों में दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया गया है। जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि एक ऐसा व्यक्ति, जिसे भगोड़ा घोषित किया गया है, संविधान के अनुच्छेद-32 के तहत याचिका कैसे दायर कर सकता है। मेहता ने कहा, 'मुझे उसके वकील ने बताया कि वे मामला वापस ले रहे हैं। हमारा जवाब तैयार है।' नाइक की तरफ से पेश वकील ने कहा कि उसे मामला वापस लेने के संबंध में कोई निर्देश नहीं मिला है और याचिका में विभिन्न राज्यों में दर्ज लगभग 43 एफआईआर को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया गया है। वकील ने कहा कि उसके मुवक्किल के खिलाफ छह एफआईआर विचाराधीन हैं और वह इन्हें रद्द करने के लिए हाई कोर्ट का रुख करेगा।

उपचुनाव के लिए पूर्व उप सेना प्रमुख को पीके ने बनाया उम्मीदवार, बढ़ाई नीतीश-तेजस्वी की टेंशन

नई दिल्ली। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने बिहार में आगामी उपचुनाव के लिए बड़ा दांव खेला है। जानकारी के मुताबिक तरारी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी ने पूर्व उप सेना प्रमुख (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल कृष्णा सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। यह घोषणा पटना के पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान की गई। इस दौरान किशोर ने उल्लेख किया कि अन्य तीन उम्मीदवारों के नाम जल्द ही सामने आएंगे, कृष्णा सिंह के चयन ने प्रतिष्ठित करियर वाले हाई-प्रोफाइल उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की पार्टी की रणनीति का संकेत दिया।

सेना के पूर्व उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल श्री कृष्ण सिंह (सेवानिवृत्त) ने अपने उम्मीदवारी पर कहा कि मैं दिल से लोगों की सेवा करूंगा। लोगों ने उनसे (प्रशांत किशोर) कहा कि मुझे ले आओ ताकि तरारी सुधर जाए। अगर उनका इतना भरोसा है तो मैं उसे कैसे तोड़ सकता हूं? मुझे आना होगा। उन्होंने कहा कि हम प्रतिद्वंद्वी नहीं देखते, हम सिर्फ अपना लक्ष्य देखते हैं और हमें जीतना है। हमारा उद्देश्य बहुत पवित्र है, हमारी छवि साफ-सुथरी है। तरारी गांव के मूल निवासी लेफ्टिनेंट जनरल कृष्णा सिंह, देहरादून में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से स्नातक हैं और भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंट में कार्यरत रहे हैं। फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ से प्रेरित होकर, सिंह ने दिसंबर 2013 में सेवानिवृत्त होने से पहले सेना को 41 साल की सेवा समर्पित की। बाद में उन्होंने 2017 में सेवानिवृत्त होने से पहले, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर पद पर रहते हुए, चार साल तक सशस्त्र बल न्यायाधिकरण में सेवा की। उन्होंने कहा कि मैं अपने गृह जिले और राज्य के लिए काम करना चाहता हूं और बिहार में स्वच्छ और स्वस्थ राजनीति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं उनके स्थानीय समुदाय के लाभ के लिए नेतृत्व का अनुभव लाना चाहता हूं। जब एनडीए सरकार द्वारा शुरू की गई अग्निवीर नीति के बारे में सवाल किया गया, तो सिंह ने अपनी अस्वीकृति व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछली नीति के तहत 17 साल के कार्यकाल ने सैनिकों को भावना, जुनून और मूल्यों की मजबूत भावना पैदा करते हुए, अपनी रेजिमेंट के साथ गहराई से जुड़ने की अनुमति दी। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि क्या अग्निवीर नीति के तहत चार साल का छोटा कार्यकाल समान स्तर की प्रतिबद्धता और भावना को बढ़ावा दे सकता है।

बहराइच हिंसा में एक्शन में पुलिस, अब तक 50 उपद्रवी गिरफ्तार, 100 से अधिक पर एफआईआर दर्ज

बहराइच। मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल में उपद्रव काटने वालों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। पुलिस ने 24 घंटों के भीतर 24 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उपद्रव के मामले में 50 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है, जबकि 100 से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है। उपद्रव के दौरान पुलिस कर्मियों के बनाए गए वीडियो से भी उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। प्रशासन की ताबड़तोड़ छापामारी की कार्रवाई को देख भीड़ में शामिल होकर उपद्रव करने वाले लोग फरार हैं।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान मकान से पथराव के बाद रेहुआ मंसूर गांव निवासी 22 वर्षीय रामगोपाल मिश्र की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने महराजगंज बाजार में तोडफ़ोड कर आगजनी की थी। शहर में भी स्टीलगंज तालाब के पास बाइक में आग लगा दी गई। अस्पताल चौराहे पर कई दुकानों को जला दिया गया था। काजीकटरा में भी आगजनी का प्रयास किया गया।

घंटों पुलिस व उपद्रवियों के बीच गोरिल्ला युद्ध चलता रहा। उपद्रवियों को काबू करने के लिए एसटीएफ चीफ हाथ में पिस्टल लेकर दौड़ाना पड़ा था। मुख्यमंत्री ने मामले में उपद्रव करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन भी एक्शन मोड में दिखा। नव नियुक्त हरदी थानाध्यक्ष कमलशंकर चतुर्वेदी ने मंगलवार को आशिक आशिक रसूल, नमीमुद्दीन, मुहम्द रईश, राजा बाबू, साकिब समेत 24 अन्य लोगो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह ने सभी पकड़े गए आरोपितों को जेल भेज दिया है। सोमवार को 26 लोगो को गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय रवाना किया था। महाराजगंज बाजार में प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगांव के रेहुआ मंसूर गांव निवासी 22 वर्षीय रामगोपाल मिश्र को घर में घसीटकर ले जाने और उसकी बर्बरतापूर्वक पिटाई कर उसके नाखून को उखाड़कर गोली मारकर हत्या मामले में हरदी पुलिस को 10 लोगों की तलाश है।

निर्धन कलाकारों की प्रतिभा को उचित सम्मान देने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करे: जयवीर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि संस्कृति विभाग की विभिन्न संस्थानों में की जा रही विभिन्न गतिविधियों से आम जनता खासतौर से युवाओं को जोड़ें, जिससे प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास के साथ ही भारतीय जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विभिन्न नीतियों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद धार देने के साथ आम जनता को अपने विरासत पर गर्व करने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके साथ ही देशी-विदेशी पर्यटकों को मार्केटिंग एवं ब्राण्ड एम्बेस्डर के रूप में प्रोत्साहित कर अधिक से अधिक विदेशी पर्यटकों को उ0प्र0 की ओर आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय सुविधायें सृजित कर रही है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष की स्वीकृत परियोजनाओं से संबंधित निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आज गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में संस्कृति विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न संस्थानों तथा निर्माण कार्य की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के साथ ही प्रस्तावित कार्यों को यथाशीघ्र शुरू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कार्य में रूचि न लेने वाले तथा लापरवाह अधिकारियों एवं संस्थाओं की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने विभिन्न संस्थानों से और अधिक एमओयू साइन करने के निर्देश दिए। साथ ही, विशेष रूप से निर्देशित भी किया कि निश्चित समय सीमा में कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी करें। उन्होंने प्रदेश के सभी 75 जिलों में सांस्कृतिक आयोजन कराने, संस्कृति और संगीत को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने और महाकुम्भ जैसे आस्था पर्व का जनमास से जोड़ने के निर्देश दिये। ताकि प्रदेश की छुपी प्रतिभाओं को और गुणी कलाकारों को दुनिया के सामने लाया जा सके।

पर्यटन मंत्री ने विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान संस्कृति नाटक अकादमी, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध संस्थान, वृंदावन शोध संस्थान, राज्य ललित कला अकादमी सहित अन्य संस्थाओं को अन्य संस्थाओं से मिलकर सांस्कृतिक कार्यक्रम, गतिविधियां कराने के निर्देश दिए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं और नई पीढ़ी को परंपरागत कला, संस्कृति से जोड़ना हो। पाली सहित अन्य प्राचीन भाषा को आगे बढ़ाने के प्रयासों पर भी बल दिया गया। कम चर्चित या गुमनामी में जीवन बसर कर रहे कलाकारों को उचित सम्मान मिले और उनकी विधा को आगे ले जाने में सरकार का सहयोग प्राप्त हो सके।

जयवीर सिंह ने कहा, उत्तर प्रदेश बौद्ध धर्मावलंबियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। हमारा लगातार प्रयास रहा है कि बौद्ध उपदेशों को आमजन तक ले जाएं। इसके लिए बौद्ध धर्म से जुड़े वरिष्ठजनों की मदद भी ली जाए, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि सनातन या किसी भी अन्य धर्म के लोगों की भावना आहत न हो। 'वैर से वैर शांत नहीं होता' जैसे सिद्धांतों का पालन हो। बैठक में जैन समुदाय से संबंधित कार्यक्रमों, कार्यशालाओं आदि कराए जाने की भी समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिये कि यह भी प्रयास किया जाए कि विभिन्न कार्यक्रमों में जैन समुदाय से जुड़े लोगों की उपस्थिति और सहभागिता अवश्य रहे। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने अधिकारियों को अपने काम को आमजन तक ले जाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने पॉकेट बुकलेट, हस्त मंगल गाथा आदि की मदद लें। उन्होंने पार्कों में सकारात्मक रुख के साथ साज-सज्जा करवाने, चैक-चैराहों पर चित्र आदि के माध्यम से लोगों को आकर्षित करने पर जोर दिया। साथ ही कहा, कि शहर में लगी मूर्तियों पर लाइटिंग की व्यवस्था भी हो, जिससे रात में गुजरने वालों के लिए आकर्षण का केन्द्र बने।

नीरजा माधव की पुस्तक लोकार्पण में बोले असम के राज्यपाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। प्रख्यात लेखिका डॉ. नीरजा माधव की सद्यः प्रकाशित पुस्तक 'भारत का सांस्कृतिक स्वभाव' का लोकार्पण करते हुए असम एवं मणिपुर के राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि जिस तरह से तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना स्वान्तः सुखाय की थी लेकिन कालांतर में रामचरितमानस पूरे देश ही नहीं विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग दिखाने वाला महाकाव्य बन गया। इसी तरह से नीरजा माधव ने भी अपनी संतुष्टि के लिए और भारतबोध की भावना के साथ इस पुस्तक की रचना की है, लेकिन मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक पूरे राष्ट्र के लिए और समाज के लिए संतुष्टि प्रदान करने वाली बनेगा। वे यहां वाराणसी के कमिश्नरी सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से बोल रहे थे।

कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो.जीसी त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डा. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो.संजय द्विवेदी, उप्र विधान परिषद के सदस्य डा.धर्मेंद्र राय, जम्मू दीप बौद्ध मंदिर के विहाराधिपति डा.सिरी सुमेध थेरो भी उपस्थित रहे। राज्यपाल श्री आचार्य ने आगे कहा कि हाल के वर्षों में भारत में एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की लहर चल रही है। अपने अतीत से लोग फिर से परिचित होना चाह रहे हैं। नीरजा माधव की यह कृति भारत की सांस्कृतिक विरासत से लोगों का पुनः परिचय कराने का एक सशक्त आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत को जानने की जिज्ञासा रखने वालों के लिए यह पुस्तक एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जो लोग दूर दराज से भारत को समझना चाहते हैं , उसकी सांस्कृतिक विरासत से परिचित होना चाहते हैं, उनके लिए 'भारत का सांस्कृतिक स्वभाव'पुस्तक एक आवश्यक पुस्तक है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर जी .सी. त्रिपाठी ने कहा कि जब किसी भूखंड पर जीव सृष्टि का निर्माण होता है तो उसे देश की संज्ञा मिलती है। जब वह जीव सृष्टि अपने साथ एक दर्शन, दृष्टि, विचार और मूल्यों के साथ कुछ सिद्धांतों और परंपराओं को अंगीकार करता है तब उसे राष्ट्र की संज्ञा मिलती है। नीरजा माधव ने अपने अथक प्रयास से भारत की संस्कृति और उसके स्वभाव को ,भारत ने अपनी जीवन पद्धति, रीति रिवाज, व्यवहार, परंपरा और त्योहार आदि के माध्यम से अनादि काल से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक कैसे कायम रखा, इस पर महान कार्य किया है। यह ग्रन्थ साहित्य और साहित्यकार के धर्म का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्य का मूल उद्देश्य ही लोकमंगल है। पिछले कुछ वर्षों में भारत अपनी जड़ों की तरफ वापसी कर रहा है। यह विचारों की घर वापसी का समय है ।सालों साल तक चले समाजतोड़क साहित्यिक अभियानों के बजाय अब समाज को जोड़ने वाले तथा भारत बोध कराने वाले साहित्य की आवश्यकता है। नीरजा माधव जी की यह किताब भारत को समझने की कुंजी है ।इससे भारत विकसित भारत बनेगा और अपने सपनों में रंग भरेगा।

उप्र सरकार में आयुष मंत्री श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने अपने गंभीर और विचारपरक उद्बोधन में कहा कि नीरजा जी की यह पुस्तक काशी से कश्मीर तक की और कन्याकुमारी से काशी तक की यात्रा करवाती है । इस पुस्तक के अनुक्रम को देखने मात्र से पता चल जाता है कि कोई भी विषय छूटा नहीं है जो भारतीय संस्कृति को समझने के लिए आवश्यक है। यहां तक कि धारा 370 या कश्मीरी पंडितों के विस्थापन की त्रासदी को भी नीरजा माधव ने बहुत ही संवेदना के साथ उकेरा है । विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र राय ने नीरजा माधव की इसी कृति को भारतीय साहित्य के लिए एक मील का पत्थर बताया। अपने लेखकीय उद्बोधन में साहित्यकार नीरजा माधव ने कहा कि भारतीय संस्कृति गंगा की तरह पवित्र और हिमालय की तरह बहुत विराट है लेकिन जैसे गंगा का जल हथेली में लेकर पान करते ही पूरी गंगा हमारे भीतर उतर जाती है इसी तरह से भारतीय संस्कृति की झलक इस पुस्तक से मिल जाएगी। भारतीय संस्कृति से संबंध जुड़ने का तात्पर्य ही है कि पूरी धरती के उमंग से संबंध जुड़ना और आकाश के मंगल गान से जुड़ जाना। यह पुस्तक राष्ट्र से उसी तरह जुड़ने का प्रयास है। डॉ . पद्मनाभ त्रिवेदी ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की भावना ही वसुधैव कुटुंबकम की है और पूरे विश्व को उसने सर्वे भवंतु सुखिनः का संदेश दिया है। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित प्राचार्य डॉ बेनी माधव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन जम्बू द्वीप बौद्ध मंदिर के अध्यक्ष डॉ के सिरी सुमेध थेरो ने आशीर्वचन के रूप में दिया।

अपने सुरों की जादू से 'मन' ने मोहा मन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले की दुर्गापूजा पूरे शवाब पर है। शहर से लेकर गांव कस्बों एवं चैक चैराहों पर सजाये गए पंडालों में विराजमान देवी प्रतिमाए भक्तों को आकर्षित कर रही हैं। भदैया ब्लॉक के इस्लामगंज गांव में स्थापित मरी माता दुर्गा पूजा पंडाल के समक्ष भक्ति भजन का आयोजन किया गया। नन्हें गायक मन श्रीवास्तव ने हारमोनियम के साथ अपने सुरों का खूब जादू चलाया। हाथ में त्रिशूल रुपवा मनवा मोहत बाय...छम छम छननन बाजय मैया पाव पैजनिया... आदि भक्ति गीतों से मन ने भक्तों का मन मोह लिया। मधुर सुरीली और सधी आवाज से नन्हें गायक ने भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। नन्हें गायक को जब डा. अनिल का साथ मिला तो चार चाँद लगा दिया। दोनों के देवी गीत खूब सराहे गए। इसके पूर्व सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। करीब 2500 भक्तों ने पूडी सब्जी और बूंदी का भरपेट प्रसाद ग्रहण किया। समिति अध्यक्ष चंदन श्रीवास्तव ने बताया कि भंडारे में ग्रामीणों का पूरा सहयोग मिला। उन्होंने सभी भक्तों के प्रति आभार प्रकट किया।

सड़क सुरक्षा के लिए जनजागरूकता जरूरी : दयाशंकर सिंह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह की अध्यक्षता में आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती समारोह से शुरू होकर आज सड़क सुरक्षा पखवाड़े का समापन हो रहा है। सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है एवं आज के समय में बहुत ही आवश्यक विषय भी है। आज प्रदेश 13 हाईवेज के साथ देश में सबसे अधिक हाईवेज वाला प्रदेश है, जिसमें से 06 हाईवेज बन चुके हैं एवं अन्य हाई-वेज पर कार्य तेजी से चल रहा है। हाईवेज बनने से आवागमन में सुगमता के साथ-साथ समय का भी बचाव हो रहा है। साथ ही बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अन्य लोगों से कराने की अपील की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। उनसे उन्होंने सड़क सुरक्षा नियमों को अपने दिनचर्या में लाने का आह्वान किया।

परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि में उत्तर प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है, यह एक चिन्ता का विषय है। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को लेकर बहुत ही अधिक संवेदनशील हैं। उनकी अध्यक्षता में साल में दो बार सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित होती है। प्रदेश में जितनी मौतें कोरोना काल में भी नहीं हुई उससे अधिक मौतें (लगभग 23 हजार प्रतिवर्ष) सड़क दुर्घटनाओं की वजह से होती हैं। होने वाली मौतों में सबसे अधिक संख्या 18-35 आयु वर्ष वाले युवाओं की है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत तक की कमी लाने का लक्ष्य है। इसी के दृष्टिगत प्रदेश में समय-समय पर सड़क सुरक्षा अभियान के साथ-साथ सड़क सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं भी विभाग करा रहा है। इसके अलावा सभी कॉलेजों एवं विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग एवं स्टेक होल्डर विभाग (पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, नगर विकास इत्यादि) के अलावा आमजन का भी सहयोग बेहद जरूरी है। आमजन की सहभागिता से ही लक्ष्य को प्राप्त करना संभव है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि 2014 से पूर्व लोग जगह-जगह पर कूड़ा-कचड़ा फेक दिया करते थे, परन्तु देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़े की शुरूआत के पश्चात अब परिस्थितियों में बदलाव आया है और लोग स्वयं साफ-सफाई तो कर ही रहे हैं, बल्कि गंदगी करने वाले लोगों को टोक भी रहे हैं। इसी प्रकार सड़क सुरक्षा को भी प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलायी। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति स्व0 एपीजे अब्दुल कलाम का एक उद्धरण भी सुनाया-कहा ''सपने वो नहीं होते हैं, जो रात में हम देखते हैं, बल्कि सपने वो होते हैं जो हमें सोने न दें। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत सोंच व दृढ़-इच्छाशक्ति से किया गया प्रत्येक कार्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि दुपहिया वाहन चालक हेलमेट एवं चार पहिया चालक सीटबेल्ट का प्रयोग आवश्य करें। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक एवं एलईडी पैनल पर विज्ञापन के माध्यम से उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए कार्यक्रम के समापन के अवसर पर 28 नये इण्टरसेप्टर वाहनों को हरी झण्डी दिखायी। उन्होंने कहा कि इण्टरसेप्टर वाहनों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के कार्य में और तेजी आयेगी एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों को कार्य करने में सुगमता होगी। इण्टरसेप्टर वाहनों से ओवर स्पीडिंग, ड्रेकेन ड्राइव, रांग साइड ड्राइविंग, मोबाइल इस्तेमाल की जांच में आसानी होती है।

परिषदीय स्कूलों की न्याय पंचायत स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले के परिषदीय विद्यालयों के नौनिहालों का बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन। नौनिहालों ने अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर लोगो के मन मोह लिया। कुड़वार ब्लॉक के नरही और रवानिया पश्चिम में संकुल प्रभारी मोती खान और मुहम्मद अल्ताफ के संयोजन में न्याय पंचायत स्तरीय बालक्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के कुड़वार ब्लॉक अध्यक्ष/जिला प्रतियोगिता निजाम खान ने किया। नरही न्याय पंचायत स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के परिणाम में प्राथमिक बालक वर्ग 50 मीटर दौड़ में प्रथम आर्यन सिंह द्वितीय हर्षित मिश्रा तृतीय महताब खान रहे। प्राथमिक बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में पिंरसी नरही प्रथम अंशिका रेवती द्वितीय, शिवानी तृतीय100 मीटर प्राथमिक बालिका संवर्ग में जान्हवी प्रथम अंशू द्वितीय उम्मे आयत तृतीय स्थान प्राप्त किया।100 मीटर प्राथमिक बालक संवर्ग में अंकित प्रथम ,आर्यन द्वितीय राजन तृतीय स्थान पर रहे। 200मीटर प्राथमिक बालक संवर्ग में मोनू प्रथम रियान द्वितीय हर्षित तृतीय स्थान पाए। 200मीटर प्राथमिक बालिका वर्ग पिंरसी प्रथम शिवानी द्वितीय कुमकुम तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ यूपीएस बालक संवर्ग में शैलेश प्रथम,सनी द्वितीय,शहीद तृतीय और बालिका संवर्ग में प्रियंका प्रथम दीपांशी द्वितीय अक्शा तृतीय स्थान पाई।सामूहिक खेल स्पर्धा कबड्डी प्राथमिक बालक संवर्ग में प्राथमिक विद्यालय नरही प्रथम प्राथमिक विद्यालय भाटी द्वितीय स्थान। प्राथमिक बालिका संवर्ग कबड्डी में पी एस नरही प्रथम पी एस पूरे रेवती द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यूपीएस बालिका वर्ग कबड्डी में जासरपुर प्रथम भाटी द्वितीय स्थान। खो- खो पी एस बालक वर्ग लंगड़ी प्रथम हाजीपट्टी द्वितीय। यूपीएस बालक वर्ग में भाटी प्रथम धारूपुर द्वितीय स्थान प्राप्त किए। लम्बी कूद ,ऊंची कूद ,छक्का फेक,गोला थ्रो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि प्रस्तुत कर बच्चों ने मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध किया इत्यादि। खेल कूद प्रतियोगिता में निर्णायक मुहम्मद मुज्तबा अंसारी,फूल चंद,प्रदीप यादव,राजमणि उपाध्याय,विपिन, देवेंद्र प्रमोद ,अशरफ मोईद हरिकेश सिंह,आदि रहे।कुड़वार ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी सुधीर कुमार सिंह ने दोनों न्याय पंचायत खेल कूद प्रतियोगिता में पहुंच कर बच्चों और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा परिषदीय स्कूलों के छात्रों में प्रतिभा की कमी नहीं यदि बच्चों को सही मार्गदर्शन और नियमित अभ्यास कराया जाए तो उत्कृष्ट प्रदर्शन निश्चित रूप से करेंगे। खेलकूद से जहां एक ओर एशियन ओलंपिक तक पहुंच कर घर परिवार देश का नाम रोशन सकते है वही दूसरी तरफ मानसिक शारीरिक और बौद्धिक विकास भी होता है। जब शरीर स्वस्थ रहता है मन मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। खेल कूद प्रतियोगिता में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक बालक और बालिका वर्ग में स्पर्धाओं में बच्चों ने उत्कृष प्रदर्शन करने वाले नौनिहालों को बीईओ सुधीर सिंह ने विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण रजत कांस्य पदक और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।इस मौक पर कुड़वार अध्यक्ष निजाम खान, मंत्री बृजेश मिश्रा, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक धर्मेंद तिवारी अरुणेंद्र प्रताप सिंह, महताब हुसैन, सुनील कन्नौजिया, सुधीर सिंह, शशांक सिंह, अनिल सिंह लोकेश सिंह, हरीशचंद्र यादव, मुजफ्फर कलीम खान, सुनील यादव अखिलेश यादव राम पल यादव,राम सुमरन विश्वकर्मा राशिद अहमद आदि का सहयोग रहा।

समिति के गोद लिये मेधावी कुलदीप ने जेआरएफ परीक्षा की उत्तीर्ण

सुलतानपुर। मानव-निर्माण के उद्देश्य के साथ लोक सरोकार समिति का गठन 2012 में किया गया। समिति के सचिव डॉ धर्मपाल सिंह ने बताया कि समिति इस समय दो अभावग्रस्त परिवारों तथा दो मेधावी विद्यार्थियों को गोद लेकर उन पर होने वाला समस्त व्यय कर रही है। समिति कोई सरकारी अनुदान न लेने के लिए कृत संकल्प है।

समिति ने 2015 में सुलतानपुर की जयसिंहपुर तहसील के केवटहिया गाँव के कुलदीप निषाद को गोद लिया। उस समय वह सुभाष इण्टरमीडिएट कॉलेज, पलिया (सुलतानपुर) में कक्षा-08 में पढ़ रहा था। समिति ने 2014 में एक ऐसे विद्यार्थी को गोद लेने का प्रस्ताव किया था जो मेधावी हो और अभावग्रस्त हो। इसके लिए 25 इण्टरमीडिएट कॉलेजों के प्राचार्यों को इस आशय का पत्र लिखा गया था कि कक्षा-08 में अध्ययनरत विद्यार्थियों में से दो विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए राधारानी परिसर, सीताकुण्ड भेजें।

शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों को सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने पर मंथन

स्वास्थ्य विभाग व द चैलेंज इनिशिएटिव-पीएसआई इंडिया के सहयोग से बैठक आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

नोएडा। गौतमबुध्दनगर जनपद में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संयुक्त प्रयास से शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में द चैलेंज इनिशिएटिव (टीसीआई) व पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से बैठक आयोजित की गयी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शहरी क्षेत्र में परिवार कल्याण कार्यक्रमों में निजी अस्पतालों

और निजी चिकित्सकों की अहम भूमिका पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में जनपद के 22 निजी अस्पतालों से 12 प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ और 14 अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में यह एक सराहनीय पहल है। समय-समय पर बैठक आयोजित कर निजी क्षेत्र को इस पहल से मजबूती से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन (बास्केट ऑफ़ च्वाइस) से सम्बन्धित आईईसी सामग्री (पोस्टर-बैनर) को निजी चिकित्सालयों में निर्धारित स्तर पर प्रदर्शित किया जाए और काउंसिलिंग के दौरान उनका इस्तेमाल किया जाए। परिवार कल्याण सेवाओं को हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल पर हर महीने निश्चित रूप से अपलोड कराना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में महाप्रबन्धक (निजी क्षेत्र) नवीन बंसल और पीएसआई इंडिया की कार्यक्रम प्रबन्धक कोमल ने प्रसव पश्चात परिवार नियोजन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि निजी अस्पतालों के उच्च प्रभावी हस्तक्षेप, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं से जोड़ने, क्षमता निर्माण और आंकड़ों के संग्रह पर जोर दिया जाए ताकि योजनाओं के निर्माण में उनका सही इस्तेमाल किया जा सके। इस साल के अप्रैल से अगस्त के दौरान के एचएमआईएस आंकड़े के बारे में भी जानकारी दी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस) चार और पांच के आंकड़ों पर तुलनात्मक चर्चा भी हुई। एडिशनल रिसर्च आफिसर (एआरओ) भास्कर ने संस्थागत प्रसव, बीसीजी टीकाकरण, पेंटा और एमआर की एचएमआईएस की रिपोर्टिंग के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एचएमआईएस पोर्टल पर आंकड़े डालने से पहले उनका सत्यापन अवश्य किया जाए। बच्चों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की मानिटरिंग के लिए यूविन पोर्टल के बारे में भी बताया।

बैठक में नियमित टीकाकरण और कुष्ठ रोग के नोडल अधिकारी डॉ. ओबैद कुरैशी ने शून्य से पांच वर्ष के बच्चों के सम्पूर्ण टीकाकरण एवं ट्रैकिंग सिस्टम पर चर्चा की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसीएमओ) डॉ. ललित ने प्रतिभागियों को सभी स्वास्थ्य सेवाओं के संकेतकों, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन सेवाओं विशेष रूप से प्रसवोत्तर और गर्भपात के बाद, मातृ स्वास्थ्य आदि की नियमित रिपोर्टिंग एचएमआईएस पोर्टल पर जरूर करने की सलाह दी। बैठक में सहयोगी संस्थाओं डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ व यूएनडीपी के प्रतिनिधि और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी और एचएमआईएस आपरेटर उपस्थित रहे।

कुंभ में अपनों से बिछड़ना बीते दिनों की बात, तकनीक के साथ नई कहानी लिखेगी योगी सरकार

हाई-टेक खोया-पाया प्रणाली से हर तीर्थयात्री होगा महाकुंभ में सुरक्षित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय सिनेमा में कुंभ मेला का जिक्र होते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले वही क्लासिक कहानियां आती हैं, जहां भाई-भाई, मां-बेटा या प्रेमी-प्रेमिका भीड़ में एक-दूसरे से बिछड़ जाते थे। यह बिछड़ने का दृश्य बॉलीवुड की कई पुरानी फिल्मों में बड़े भावनात्मक मोड़ के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। योगी सरकार 'फिल्मी महाकुंभ' में लोगों के खोने और फिर सालों बाद मिलने की इस धारणा को तोड़ने की पूरी तैयारी कर ली है। अब कुंभ मेले में हर व्यक्ति का ध्यान रखा जाएगा, कोई भी अब अपनों से नहीं बिछड़ेगा और ऐसा हुआ भी तो वह जल्द से जल्द अपने परिवार से मिल सकेगा।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण और पुलिस विभाग ने मिलकर इस बार के महाकुंभ मेले में एक उच्च तकनीक से युक्त खोया-पाया पंजीकरण प्रणाली से तीर्थयात्रियों को सुरक्षित करेगा। यह नई पहल सुरक्षा, जिम्मेदारी और तकनीक का अद्भुत संगम है, जो महाकुंभ मेला को सुरक्षित और सुखद अनुभव बना देगी।

योगी सरकार की पहल अब उस 'फिल्मी ड्रामे' को हकीकत से दूर ले जाकर सुरक्षा और पुनर्मिलन की नई कहानी लिखने को तैयार है। कुंभ मेले में आने वाले करोड़ों तीर्थयात्रियों को अब भीड़ में खोने का डर नहीं रहेगा, क्योंकि सरकार की यह नई प्रणाली खोए हुए तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और शीघ्र उनके परिजनों से मिलाने का भरोसा देगी। भारतीय सिनेमा में कुंभ मेले की भीड़ से अलग हुए लोगों की कहानियां एक स्थायी कथानक रही हैं। फिल्मों में गंभीर संवाद हो या हास्य, कहीं न कहीं कुंभ मेले में बिछड़ने वाले डायलॉग सुनने को मिल ही जाते हैं। चाहे वो 1943 में आई फिल्म 'तकदीर' हो या 70 के दशक में आई फिल्म 'मेला'। इनमें भाइयों का मेले में बिछड़ने की कहानी सिनेमा के पर्दे पर वर्षों तक दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। इन कहानियों का मुख्य आधार यही था कि भीड़ में खो जाने के बाद, अपने प्रियजनों को खोज पाना लगभग असंभव होता था।

लेकिन अब इस हाई-टेक खोया-पाया केंद्र की बदौलत, महाकुंभ मेले में ऐसा 'फिल्मी' बिछड़ने वाला दृश्य शायद ही देखने को मिले।

तीर्थयात्रियों के लिए नई सुरक्षा व्यवस्था

पुरानी फिल्मों में, कुंभ मेले में बिछड़ने के बाद अक्सर परिवारों का मिलन संयोग पर आधारित होता था—किसी चमत्कार या किस्मत के भरोसे। लेकिन अब योगी सरकार की इस नई पहल के तहत हर खोए हुए व्यक्ति की पहचान और सुरक्षा की जिम्मेदारी खोया-पाया केंद्र और पुलिस की होगी। खासतौर पर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। किसी भी वयस्क को बच्चे या महिला का दावा करने पर पहले उनकी पहचान की पुष्टि करनी होगी। अगर कोई संदेह होता है तो तत्काल पुलिस को सूचित किया जाएगा ताकि बच्चा या महिला सुरक्षित हाथों में जाए। यह व्यवस्था उन फिल्मी कहानियों को पूरी तरह बदल देती है, जहां खोए हुए बच्चे को गलत हाथों में सौंप दिया जाता था और उसके जीवन में नाटकीय बदलाव आते थे।

तकनीक के साथ नई कहानी

महाकुंभ 2025 में शामिल होने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सरकार ने ऐसे डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना करेगा जो खोए हुए व्यक्तियों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए तकनीक का सहारा लेते हैं। इसमें हर खोए हुए व्यक्ति का पंजीकरण तुरंत किया जाएगा और उसकी जानकारी को अन्य केंद्रों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक और एक्स (पहले ट्वीटर) पर भी प्रसारित किया जाएगा। यह व्यवस्था महाकुंभ मेले को न केवल सुरक्षित बनाएगी, बल्कि परिवारों को जल्दी और आसानी से अपने प्रियजनों से जोड़ने का काम करेगी। जहां फिल्मी कहानियों में खोए हुए व्यक्तियों को ढूंढने में सालों लग जाते थे, वहीं अब 12 घंटे के भीतर अगर कोई अपने खोए हुए सदस्य का दावा नहीं करता है, तो पुलिस हस्तक्षेप करके उन्हें सुरक्षित ठिकाने तक पहुंचाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक खोया हुआ महसूस न करे, और वह जल्द से जल्द अपने परिवार से मिल सके।

पहचान प्रमाणित करने पर ही प्रशासन सौंपेगा खोया व्यक्ति

अब, जब कोई व्यक्ति कुंभ मेले में खोता है तो उसे सुरक्षित, व्यवस्थित और जिम्मेदार प्रणाली के तहत उसका ख्याल रखा जाएगा। किसी भी वयस्क को बच्चे या महिला को ले जाने से पहले सुनिश्चित करना होगा कि वह उसे पहचानते हैं और उनकी पहचान प्रमाणित है। इससे पहले की कहानियों में जहां बिछड़ने का दर्द और फिर मिलने की खुशी का एक लंबा सफर होता था, अब सरकार की इस पहल ने इस प्रक्रिया को सरल, तेज और सुरक्षित बना दिया है।

भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्त हो गयीं हैं : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ध्वस्त हो गयीं हैं। अस्पतालों में मरीज़ों की भीड़ है। उन्हें ठीक से दवा इलाज नहीं मिल रहा है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में डेंगू मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियां फैली हुई हैं। लखनऊ में कई दर्जन लोग हर दिन डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। पिछले 1 महीने में लखनऊ में ही एक हजार से ज्यादा लोग डेंगू के शिकार हो चुके हैं। लखनऊ में मंगलवार को ही डेंगू के 61 मरीज पाए गए। इसी तरह से मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों से बड़ी संख्या में लोग बीमार और पीड़ित हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। शहरों में साफ सफाई का अभाव है, गंदगी की भरमार है। भाजपा सरकार लोगों के स्वास्थ्य को लेकर जरा भी गंभीर नहीं है। राजधानी लखनऊ में डेंगू के कारण लोगों की मौतें हो चुकी हैं। सैकड़ों की संख्या में लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। प्लेटलेट्स और ब्लड की कमी को लेकर मारामारी है। भाजपा सरकार आम जनता की लगातार उपेक्षा कर रही है। मरीज और तीमारदार भटक रहे हैं। शासन प्रशासन को पता रहता है कि इस सीजन में संक्रामक बीमारियां और मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है, जिसके कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड बढ़ जाती हैं लेकिन उसके बाद भी सरकार कोई उपाय नहीं करती। फागिंग और दवाओं की उचित व्यवस्था नहीं है। राजधानी लखनऊ के साथ-साथ प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चरमराई हुई है। बीएचयू अस्पताल में मरीजों की लम्बी-लम्बी कतारें लगी रहती है। मरीजों को जांच दवाई और इलाज के लिए लम्बा इंतजार करना पड़ता है। यह बेहद शर्मनाक है कि प्रधानमंत्री जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी और राजधानी लखनऊ तक में भाजपा सरकार इलाज की उचित व्यवस्था नहीं करा पा रही है।

प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के जरिए निवेशकों की सहूलियतों में इजाफा करेगी योगी सरकार

» सीएम योगी के विजन अनुसार, नोएडा समेत प्रदेश के विभिन्न प्राधिकरणों की वेबसाइट को निवेश मित्र के साथ इंटीग्रेट करते हुए कई सुविधाओं से जोड़ा जाएगा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार निवेशकों की सहूलियतों में इजाफा करने की दिशा में व्यापक कदम उठा रही है। इस क्रम में, निवेश मित्र एक बड़ा माध्यम बन रहा है, वहीं प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक प्राधिकरणों ने भी इस दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसमें उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा), यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा), नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) व ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण प्रमुख हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के औद्योगिक प्राधिकरणों में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम को लागू करने और उसके जरिए निवेशकों से चरणबद्ध संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की योजना पर कार्य हो रहा है। नोएडा द्वारा भी इस दिशा में प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीएमआईएस) को लागू करने, उसके फ्रेमवर्क को विकसित व सुदृढ़ करने और सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम के रूप में कार्यरत निवेश मित्र पोर्ट के साथ इंटीग्रेट करके लैंड बैंक समेत विभिन्न प्रकार की जानकारियां तक एक्सेस को बढ़ाया जाएगा।

कई सहूलियतों को उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त करेगा पीआईएमएस

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, प्रक्रिया पूरी होने पर हाउसिंग, रेजिडेंशियल, इंडस्ट्रियल, इंस्टीट्यूशनल, कॉमर्शियल व ग्रुप हाउसिंग स्कीमों के लिए आवेदन व संचालन गतिविधियों की सीधी मॉनिटरिंग हो सकेगी। वहीं, सीआईसी, बिल्डिंग मैप अप्रूवल, एक्सटेंशन लेटर तथा ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट समेत विभिन्न दस्तावाजों के जारी होने और उनकी निगरानी को ट्रैक करने का फ्रेमवर्क भी प्रक्रिया के जरिए तैयार हो जाएगा। एक ओर, निवेश मित्र से इंटीग्रेट होने के साथ ही नोएडा प्राधिकरण के लैंड बैंक समेत विभिन्न जानकारियां निवेश मित्र से एक्सेस हो सकेंगी, वहीं इससे नोएडा प्राधिकरण में भी चरणबद्ध तरीके से परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में हर अपडेट निवेशकों को पता लग सकेगी। पीएमआईएस के जरिए निवेशकों के हर अप्रूवल व क्वेरी की जानकारी उनके द्वारा रजिस्टर्ड एसएमएस, ई-मेल व व्हॉट्सऐप पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह न केवल कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को बढ़ावा देने वाला कदम होगा बल्कि इससे निवेशकों को भी सरकारी कार्यप्रणाली सीधा संवाद करती प्रतीत होगी।

96 हजार प्रॉपर्टी का विस्तृत लेखा-जोखा होगा प्रणाली के जरिए उपलब्ध

प्रक्रिया के अंतर्गत, नोएडा की लगभग 96 हजार प्रॉपर्टी का विस्तृत लेखा-जोखा नोएडा प्राधिकरण द्वारा विकसित कराए जा रहे वेब बेस्ड एप्लीकेशन पैकेज पर उपलब्ध होगा। इसके देखरेख को सुनिश्चित करने के लिए वेब बेस्ड मॉड्यूल का भी विकास किया जाएगा। इसके साथ ही, एप्लिकेशन डाटा प्रोसेसिंग (ऑनलाइन, ऑफलाइन), नई प्रॉपर्टी के पंजीयन व डाटा प्रोसेसिंग, अलॉटमेंट लेटर समेत अलॉटी व प्रॉपर्टी से जुड़े विवरणों का संकलन और समयबद्ध व चरणबद्ध तरीके से विभिन्न सरकारी प्रपत्रों को जारी करने की अद्यतन स्थिति, ऑनलाइन पेमेंट के लिए बैंक गेटवे के साथ इंटीग्रेशन जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यूपीसीडा द्वारा बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान (बीआरएपी) को लागू करने पर काम हो रहा है। यह डीटेल्ड मैकेनिज्म की तरह कार्य करेगा जो यूपीसीडा के ऑफिशियल्स की परफॉर्मेंस में इजाफा करने, ऑनलाइन सर्विसेस के मॉडिफिकेशन व निवेश मित्र के साथ उसके इंटीग्रेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

योगी सरकार के प्रयास से 7,857 गोवंश को आश्रय स्थलों पर किया गया संरक्षित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार प्रदेश में निराश्रित गोवंश के संरक्षण में भी सकारात्मक भूमिका निभा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश भर के नगरी क्षेत्रों में नगर विकास विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर 7,857 गोवंश को सुरक्षित करते हुए आश्रय स्थलों पर संरक्षित करने में सफलता मिली है। नगर विकास विभाग के अनुसार, 8 से 10 अक्टूबर के बीच प्रदेश के विभिन्न नगरी क्षेत्रों में तीन दिनी अभियान का संचालन किया गया।

इसके जरिए, पहले दिन 2132, दूसरे दिन 2718 तथा तीसरे दिन 3007 गोवंशों को सुरक्षित कर कान्हा गौशाला व आश्रय स्थलों में संरक्षित किया गया। इस विशेष अभियान के जरिए एक ओर बेसहारा पशुओं के कल्याण के साथ ही शहरी स्वच्छता

को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त हुआ, वहीं दूसरी ओर यातायात में अवरोध व दुर्घटना का कारण बनने वाले पशुओं को बचाकर सड़क सुरक्षा को बढ़ाने में भी अभियान ने सकारात्मक भूमिका का निर्वहन किया।

नगरीय निकायों में 1.4 लाख गोवंश को मिला संरक्षण

नगर विकास विभाग द्वारा विशेष अभियान का संचालन तीन स्तरों पर किया गया। नगर निगम द्वारा अभियान के अंतर्गत पहले दिन 431, दूसरे दिन 615 तथा तीसरे दिन 625 गोवंश को संरक्षित कर आश्रय स्थलों में भेजा गया। यानी, तीन दिन में 1671 गोवंशों को संरक्षित किया गया। वहीं, नगर पालिका परिषद द्वारा पहले दिन 760, दूसरे दिन 781 व तीसरे दिन 907 गोवंशों को संरक्षित करते हुए तीन दिनों में कुल 2448 गोवंशों को सुरक्षित किया। इसी प्रकार, नगर पंचायतों में पहले दिन 941, दूसरे दिन 1322 व तीसरे दिन 1475 गोवंशों को संरक्षित करते हुए कुल 3738 गोवंश को सुरिक्षत किया। प्रदेश के अब तक सभी नगरीय निकायों में कान्हा गौशाला व पशु आश्रय स्थलों में कुल 1,40,320 गोवंश को संरक्षित करने में सफलता मिली है।

आगे भी जारी रहेगी प्रक्रिया

विशेष अभियान की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि यह पहल न केवल शहरी क्षेत्रों को स्वच्छ व सुरक्षित बना रही है, बल्कि गोवंश के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और यह आगे भी जारी रहेगी।

नगर निगम, नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों के सामंजस्यपूर्ण प्रयासों ने इस सफलता को संभव बनाया है। उनके अनुसार, अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 तक कैटल कैचिंग अभियान से 11,13,057 रुपए की आय भी विभाग की हुई है। नगरीय निकाय के स्थानीय निदेशक अनुज कुमार झा ने सभी निकायों को अपनी सीमा में निराश्रित पशुओं को संरक्षित करने के लिए उचित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

माटीकला बोर्ड के 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए करे आवेदन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रशिक्षण मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, डालीगंज, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षार्थियों को मिट्टी से बने उत्पादों जैसे दैनिक उपयोग की वस्तुएं, सजावटी वस्तुएं, खिलौने और मूर्तियों पर कटिंग, चित्रकारी, नक्काशी आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह से आवासीय होगा, जिसमें प्रशिक्षार्थियों के लिए निःशुल्क रहने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कारीगरों को 250 रुपये प्रतिदिन का मानदेय भी प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक परम्परागत कारीगर, मूर्तिकार या माटीकला से जुड़े अन्य कारीगर 17 अक्टूबर 2024 तक अपने आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में जमा कर सकते हैं।

महाकुंभ 2025 को स्वच्छ कुंभ बनाएगी योगी सरकार

» महाकुंभ में स्वच्छता को लेकर मेला प्रशासन की ओर से की गईं व्यापक तैयारियां

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में होने जा रहे महाकुंभ 2025 को योगी सरकार 'स्वच्छ कुंभ' बनाने जा रही है। इस महाआयोजन को स्वच्छ बनाने का लिए योगी सरकार और मेला प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसके तहत, 10 हजार से ज्यादा सफाई कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जा रही हैं। वहीं 1.5 लाख शौचालय और 25 हजार लाइनर बैग युक्त डस्टबिन स्थापित किए जा रहे हैं।

सामुदायिक एवं शिविर शौचालयों की स्थापना

कुम्भ मेले में स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कुल 1,45,000 शौचालय और मूत्रालयों की व्यवस्था की गई है। 300 से अधिक सेक्शन गाड़ियों और जेट स्प्रे सफाई प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। 10,000 से अधिक कर्मचारी इन शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही क्यूआर कोड के माध्यम से सेवा स्तर की निगरानी की जाएगी, ताकि किसी भी प्रकार की कमी को तुरंत दूर किया जा सके।

कचरा प्रबंधन: टिपर-हॉपर और कॉम्पेक्टर ट्रक की तैनाती

कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए 120 टिपर और 40 कॉम्पेक्टर ट्रकों का उपयोग किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर में ट्रांसफर स्टेशन की व्यवस्था की गई है और वाहनों की जीपीएस आधारित निगरानी होगी ताकि सफाई समय पर और प्रभावी रूप से की जा सके। 25,000 लाइनर बैग युक्त डस्टबिन लगाए जाएंगे और प्रतिदिन तीन बार इन बैगों को बदला जाएगा।

सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति और सुविधाए

कुम्भ मेले में 10,200 सफाई कर्मचारी (850 गैंग) तैनात किए जाएंगे। इनके रहने के लिए विशेष स्वच्छता कॉलोनियों का निर्माण किया गया है। साथ ही, इन कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी का भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा ताकि किसी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी न हो और मजदूरों को समय पर उनके श्रम का उचित मूल्य मिल सके।

दीपावली से पहले पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को बड़ी सौगात

325 करोड़ से अधिक से डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का हुआ पुनर्विकास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में पूर्वांचल के खेल प्रेमियों को दीपावली से पहले बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। 20 अक्टूबर को उनके वाराणसी के दौरे में सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्टेडियम के फेज-2 व फेज-3 का उद्घाटन प्रस्तावित है। पीएम 2023 में फेज-1 का उद्घाटन कर चुके हैं।

स्टेडियम निर्माण से 20 से अधिक खेलों के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ की लागत से हुआ है। स्टेडियम की इमारत ग्रिहा के मानक के अनुसार बनाई गई है।

मोदी-योगी के नेतृत्व में खेल का बेहतर हब बन रहा यूपी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश खेल का हब बन रहा है। खेल के मूलभूत ढांचे को सुधारने के साथ खिलाड़ियों को अच्छा माहौल भी मिला है। इससे अंतरराष्ट्रीय मैचों में पदकों की संख्या भी बढ़ी है। इस स्टेडियम के निर्माण से पूर्वांचल की मिट्टी से अब और अंतरराष्ट्रीय खिलाडी निकलेंगे। काशी में मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम का निर्माण कराया गया है। स्मार्ट सिटी के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. डी वासुदेवन ने बताया कि तीन फेज में डॉ. संपूर्णानंद सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम का पुनर्विकास 325.65 करोड़ से अधिक की लागत से हुआ है। स्टेडियम में इनडोर और आउटडोर दोनों सुविधा रहेगी।

> मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खिलाड़ियों को 'पदक लाओ पद पाओ' प्रेरित करते हैं। योगी सरकार पदक पाने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार स्वरूप अच्छी धनराशि भी दे रही है। अब अन्य प्रदेश भी खेलों में योगी सरकार का उदाहरण दे रहे हैं। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में खेल का अनुकूल माहौल देते हुए यहां सुविधाओं में काफी बढ़ोतरी की है। इससे गरीब खिलाड़ियों का भी हौसला बढ़ रहा है। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मानक के उपकरणों व मैदान पर खेलने का अवसर मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मैचों में इसका फायदा भी मिलेगा। वाराणसी पूर्वांचल का केंद्र है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम पूर्वांचल के लिए वरदान साबित होगा।
>
> **ललित उपाध्याय, हॉकी ओलंपियन व डीएसपी**

109.36 करोड़ रुपये से हुआ था पहले चरण का निर्माण

पूर्वांचल के खिलाड़ियों को अब वाराणसी में ही अंतरराष्ट्रीय मैच देखने को मिलेंगे। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जिम, स्पा, योगा सेंटर, पूल बिलियर्ड्स और कैफेटेरिया के साथ बैंक्वेट हॉल की भी सुविधा है। मल्टी स्पोर्ट्स, मल्टी लेवल आधुनिक इनडोर स्टेडियम में मानकों को भी ध्यान में रखकर बनाया गया है। यहां पैरा स्पोर्ट्स प्रतियोगिताएं भी हो सकेंगी। प्रथम चरण का निर्माण लगभग 109.36 करोड़ से हुआ था। दूसरे और तीसरे चरण का निर्माण लगभग 216.29 करोड़ में हुआ।

सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में फेज 1 ,2 और 3 में होने वाले खेल

फेज -1, जी प्लस दो मंज़लि

-बैडमिंटन-10 कोर्ट, टेबल टेनिस, जिम्नास्टिक, कबड्डी, स्विमिंग पूल -ओलंपिक साइज,प्रैक्टिस/ वार्म अप पूल, बोर्ड गेम्स -चेस, कैरम, स्क्वैश के लिए -4 कोर्ट, बिलियर्ड्स, एरोबिक्स, क्रॉस ट्रेनिंग, कार्डियो जोन, -रिकवरी जोन, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग जोन

फेज-2 -जी प्लस 2

(शूटिंग स्पोर्ट्स) 10 मीटर 50 बे रेंज, 25 मीटर 25 बे रेंज, जी प्लस 3- कॉम्बैट स्पोर्ट्स में बॉक्सिंग ,जूडो ,कराटे,ताइक्वांडो,वेट लिफ्टिंग ,वुशु ,किक, स्पोर्ट्स साइंस सेंटर, फेनसिंग, बॉक्सिंग, रेसलिंग, -जी प्लस वन फील्ड व्यू चेंजिंग रूम

फेज-3

क्रिकेट प्रैक्टिस फील्ड, वॉलीबॉल, फुटबाल, बास्केटबॉल, एथलेटिक ट्रैक 8 बे 400 मीटर, टेनिस कोर्ट, एम्फी थिएटर, वॉकिंग कम जॉगिंग ट्रैक, हॉस्टल बिल्डिंग (जी प्लस 4)-180 बेड, कोच के रहने की जगह

पशुसेवा अस्माकं धर्म : अर्थात पशु की सेवा हमारा धर्म

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के मंत्री धर्मपाल सिंह आज यहां पशुपालन निदेशालय में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने शपथ ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'पशुसेवा अस्माकं धर्मः' अर्थात पशु की सेवा हमारा धर्म है और पशुधन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को यह सौभाग्य प्राप्त है कि वह पशुसेवा के कार्यों को पशु विज्ञान के माध्यम से भलीभांति संपादित कर सके। शपथ ग्रहण समारोह में पशुधन प्रसार अधिकारी संघ के अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह यादव ने अध्यक्ष, अरूण कुमार प्रजापति ने उपाध्यक्ष, फूलचन्द्र सुमन ने महामंत्री, हरीश सिंह ने संयुक्त मंत्री, अखिलेश पाण्डेय ने कोषाध्यक्ष तथा शालिनी गुप्ता ने ऑडिटर के पद पर शपथ ली। इस अवसर पर पशुधन मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विगत वर्षों से पशुधन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं और पशुधन विभाग सरकार की प्राथमिकता में है। पशुधन विभाग केवल पशुधन संरक्षण के लिए ही नहीं बल्कि प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति देने में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सिंह ने शपथ ग्रहण करने वाले पदाधिकारियों से कहा कि शपथ लेना तभी सार्थक होगा, जिस उद्देश्य के तहत शपथ ली है, उसे पूर्ण करने का प्रयास किया जाए। सिंह ने कहा कि पशुधन प्रसार अधिकारी संघ द्वारा की जा रही मांगों के संबंध में सहानुभूति पूर्वक विचार किया जायेगा और किसी के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जायेगा। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संघ उ0प्र0 इं0 हरिकिशोर तिवारी, प्रदेश महामंत्री राज्य कर्मचारी संघ शिवबरन सिंह यादव तथा डा0 नरेश कुमार अपर महामंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ0प्र0 उपस्थित रहे।

आपदा या कमाई का अवसर

सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई। अगर दिल्ली की तीनों सरकारें अर्थात केंद्र सरकार, राज्य सरकार और लाट साहब वाली तीसरी सरकार किसी सवाल पर एक ही दिशा में काम करने पर जुटे तो इसे ट्रिपल इंजन सरकार कहा जाए या नहीं, इस बात पर विवाद हो सकता है लेकिन अगर वे तीनों किसी बड़ी समस्या को निपटाने के सवाल पर सक्रिय हो तो सामान्य ढंग से खुश होना बनाता है। दिल्ली में प्रदूषण वाले मौसम की शुरुआत से पहले उसकी रोकथाम के नाम पर ऐसा ही हो रहा है। ऐसा हर साल होता है और स्वास्थ्य के नुकसान के साथ ही काफी सारे धन की बर्बादी को जान समझ लेने के बाद भी कहा जा सकता है कि कुछ मामलों में हल्का फर्क आया है। पराली अर्थात धान की खेत में छोड़ी डंडियों या पुआल को वहीं जला देने से फैलने वाले धुएं की मात्रा और सघनता में कमी आई है और कई कदम भी उठाने का प्रयास हुआ है। ऐसा सारे कदमों के लिए नहीं कह सकते पर बेतहाशा बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाले धुएं को भी नुकसानदेह गिनना ऐसा ही कदम है जो कैंसर से लेकर न जाने कितनी बीमारियों का कारण माना जाता है। इसके साथ ही यह भी हुआ है कि आपदा में अवसर ढूंढने वाले भी आ गए हैं। मुश्किल यह है कि ऐसा सिर्फ कमाई के काम में लगे चंद लोग नहीं हैं, खुद सरकार उनकी सेवा में लगी दिखती है। और वह गलती करने वालों को पकड़ने या सजा देने की जगह अपने नागरिकों को सजा देने, वसूली करने और उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ की छूट दे रही है। जो लोग प्रदूषण रोकने के मानकों पर खरा उतरने वाले वाहन नहीं बना रहे हैं सरकार उनके वाहनों की बिक्री बढ़वाने का जिम्मा लेकर काम करती लग रही है और यह करते हुए उसका खजाना भी भर रहा है। जिन नागरिकों की जेब कट रही है या जिनको प्रदूषण की मार झेलनी होती है उनको ही दोबारा वहां खरीदने का बोझ उठाना पड़ रहा है क्योंकि सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को नाश होने दिया है। अकेले दिल्ली में पंजीकृत वाहनों की संख्या में 2021-22 में सीधे 35.4 फीसदी कमी हो गई है। 2020-21 में दिल्ली में 1.2 करोड़ पंजीकृत वाहन थे जो 2021-22 में 79.2 लाख रह गए। दिल्ली सरकार ने 48,77,646 वाहनों का पंजीयन समाप्त किया था और बड़े पैमाने पर पुराने वाहनों की धर-पकड़ से यह 'सफलता' मिली थी पर ये सारे वाहन किसी न किसी के उपयोग में थे, जीवन चला रहे थे, उनकी शान थे। यह और बात है कि हमको-आपको चूं की आवाज भी सुनाई नहीं दी। अब फिर सरकार ने फिर से कबाड़ घोषित वाहनों, अर्थात दस साल पुराने डीजल वाहन और पंद्रह साल पुराने पेट्रोल वाहनों की धर-पकड़ तेज करने का फिसला किया है। दिल्ली में 60 लाख ऐसे वाहन है और उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। सार्वजनिक जगहों पर उनकी पार्किंग भी गैरकानूनी है, उनको चलाना तो अपराध है ही। और दिल्ली सरकार की मुखिया आतिशी सिंह को यहां के लेफ्टि. गवर्नर वी.के. सक्सेना के आदेश को आगे बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं हुई। सक्सेना साहब इस काम को मिशन भाव से कर रहे हैं। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट नामक संस्था भी सर्दियों के पहले बढ़ते प्रदूषण के नाम पर अपनी रिपोर्ट और सुझाव के साथ हाजिर है। किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि उनका बैर प्रदूषण से है या पुरानी गाड़ियों से या फिर सबका उद्देश्य नई गाड़ियां बिकवाना है। न तो प्रदूषण चेक करके देखने की जरूरत मानी गई ना ऐसे वाहनों को देहात या कम प्रदूषण वाले इलाकों में भेजने का या सस्ते निर्यात का विकल्प सोचा गया। सीधे दामिल फांसी। जिन गाड़ियों का पंजीकरण निरस्त हुआ है उनमें बहुत ऐसी भी है जिनको ज्यादा अवधि का लाइसेंस इन्हीं सरकारों ने दिया और जिनसे ज्यादा अवधि का रोड टैक्स वसूला जा चुका है। सुनते हैं कि इस आदेश के खिलाफ कुछ लोग अदालत गए थे पर उनके मुकदमे का क्या हुआ? यह खबर कहीं से नहीं आई है। दूसरी ओर, हर कहीं पुराने वाहनों की धर-पकड़ हो रही है। सिपाहियों को सिर्फ निर्देश नहीं है, संभवतः कुछ बोनस भी दिया जा रहा है। कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की है कि दिल्ली में 5928675 ऐसी गाड़ियां हैं लेकिन सिर्फ कुछ हजार गाड़ियां ही पकड़ी गई हैं। लाट साहब सक्सेना जी अलग लगे पड़े हैं। सो देखते जाइए कि इस बार के धुंध और प्रदूषण के मौसम में कितनी गाड़ियां कुर्बान होती हैं। जाहिर तौर पर इन सबके पीछे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 2020-21 के बजट में निजी वाहनों और व्यावसायिक वाहनों को जोड़कर करीब अस्सी लाख गाडियों को 'स्क्रैप' करने की बात कही है। तब भी कहीं से कोई आवाज नहीं आई थी। इसके बाद नई नीति के कुछ संकेत परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दिए थे। यह फैसला सिर्फ नई गाडियों के लिए नहीं था बल्कि उन गाडियों पर भी लागू हुआ जिनका पन्द्रह और बीस साल का रोड टैक्स पहले वसूला जा चुका था। कहना न होगा कि मामला दिल्ली भर का नहीं है।

हरियाणा में हार के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में अधिक सावधान रहना होगा

हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ कांग्रेस उत्साहितगरीबों के हित में बड़े बदलाव का संकेत है कांग्रेस का एजेंडा

कल्याणी शंकर

अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने-सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा।

कांग्रेस पार्टी को अपने इंडिया गठबंधन सहयोगियों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उसने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव को ठीक से नहीं लड़ा, जिससे भाजपा को दस साल की सत्ता विरोधी लहर के बावजूद तीसरी बार जीत हासिल करने का मौका मिल गया। अधिकांश एग्जिट पोल ने कांग्रेस की स्पष्ट जीत की भविष्यवाणी की थी, लेकिन भाजपा ने 90 में से 48 सीटें हासिल कीं, एक ऐसी जीत जिसने खुद भाजपा को भी चौंका दिया।

यदि कांग्रेस हरियाणा में जीत जाती तो कांग्रेस के पुनरुत्थान की कहानी को बढ़ावा मिलता। हालांकि, कांग्रेस ने हाल ही में आंतरिक संघर्षों के कारण यह पांचवां विधानसभा चुनाव गंवा दिया। इसके पहले वह पंजाब, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में हार चुकी थी। अब यह अनिश्चित है कि इंडिया गठबंधन में उसकी साझेदार राजनीतिक पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ एकजुट होंगे या नहीं।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के लिए आप के साथ गठबंधन जीत के लिए फायदेमंद होता है या नहीं, इस पर बहस हो रही है। दूसरे, हार का असर महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले आगामी चुनावों पर पड़ेगा। हरियाणा के नतीजों का तत्काल असर दिल्ली, महाराष्ट्र और झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनावों में सीटों के बंटवारे पर पड़ने की संभावना है। तीसरे, यह अनिश्चित है कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन होगा या नहीं। आप पहले ही कह चुकी है कि वह अकेले चुनाव लड़ेगी।

अपनी अनुकूलता और समझौते की वजह से 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक ने अच्छा प्रदर्शन किया। गठबंधन का मुख्य उद्देश्य भाजपा से आमने-सामने की लड़ाई करना था और भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित नहीं करना था। गठबंधन ने चिड़चिड़े मुद्दों को पीछे छोड़ दिया और इसके कारण चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। उन्होंने भाजपा को हराने के एकमात्र उद्देश्य से काम किया और कुछ हद तक इसमें सफल भी रहे। भाजपा का बहुमत कम हो गया और जेडी(यू) और टीडीपी की मदद से सरकार बनानी पड़ी। हरियाणा की हार ने गठबंधन के भीतर की स्थिति को बदल दिया है, जिसके बाद इंडिया ब्लॉक की अन्य राजनीतिक पार्टियों को कांग्रेस पर बढ़त मिल गयी है। साझेदार शायद थोड़ी अधिक संयमित और समझ-बूझ से निर्णय करते हुए अब कांग्रेस के साथ काम करेंगे।

अभी तक किसी राजनीतिक पार्टी ने यह नहीं कहा है कि इंडिया ब्लॉक खत्म हो गया है। इसके विपरीत, हार के एक दिन बाद समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के बयान से संकेत मिलता है कि कांग्रेस के साथ सपा का गठबंधन जारी रहेगा। अखिलेश ने कहा, 'मैं कहना चाहता हूं कि इंडिया ब्लॉक बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस-सपा का गठबंधन बरकरार रहेगा।'

आम आदमी पार्टी ने कहा है कि वह दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगी, जबकि उसने तीन महीने पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। कांग्रेस तथा आप को कोई सीट नहीं मिली थी। अन्य सहयोगियों ने कांग्रेस की अति आत्मविश्वास और सीट बंटवारे के प्रति उसके कठोर रवैये की आलोचना की।

लोकसभा चुनाव में अपनी संख्या दोगुनी करने वाली कांग्रेस हरियाणा में मिली करारी हार के बाद कमजोर पड़ गयी है। अधिकांश एग्जिट पोल ने हरियाणा में कांग्रेस की आश्चर्यजनक जीत का संकेत दिया क्योंकि भाजपा को 10 साल की सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा और असंतुष्ट लोगों के एक वर्ग से निपटना पड़ा। हालांकि, भाजपा ने सबको चौंका दिया और हरियाणा में अपनी सबसे प्रभावशाली जीत दर्ज की। इस ग्रामीण राज्य में किसी भी पार्टी को कभी भी तीसरे कार्यकाल के लिए जीत हासिल नहीं हुई थी। महाराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीच सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। कांग्रेस को सीट बंटवारे के फॉर्मूले और चुनाव से पहले ही ठाकरे को सीएम के चेहरे के रूप में पेश करने की शिवसेना की मांग पर अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है।

आप ने हरियाणा चुनाव में कोई सीट नहीं जीती, लेकिन उसे लगभग 1.78 प्रतिशत वोट मिले। अगर कांग्रेस ने आप के साथ गठबंधन किया होता तो निस्संदेह यह इंडिया ब्लॉक की झोली में जुड़ जाता। शिवसेना नेता संजय राऊत के अनुसार, कांग्रेस ने छोटी पार्टियों और उनके सहयोग के प्रस्तावों को नजरअंदाज कर दिया।

तृणमूल कांग्रेस, आप, शिवसेना (उद्धव), नेशनल कॉन्फ्रेंस, आरजेडी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अन्य पर्टियों के नेताओं ने हरियाणा चुनाव में गड़बड़ी के लिए कांग्रेस की आलोचना की। शिवसेना के मुखपत्र सामना में बुधवार को संपादकीय में कहा गया, 'किसी ने नहीं सोचा था कि हरियाणा में भाजपा की सरकार फिर बनेगी। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के अति आत्मविश्वास और स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अहंकार के कारण पार्टी की हार हुई।'

लोकसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे के लिए अपनाये गये फॉर्मूले को दोहराना महत्वपूर्ण है, कम से कम महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव में तो यही होगा। कमजोर कांग्रेस अपने अधिकांश सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे में बढ़त नहीं बना पायेगी। गठबंधन में मौजूदा मूड का असर कांग्रेस के अपने सहयोगियों के साथ संबंधों पर पड़ना चाहिए। विपक्ष शायद और झटके न झेल पाये।

कांग्रेस को भाजपा के साथ सीधी लड़ाई में लोक सभा की 286 सीटों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। 2024 के चुनावों ने साबित कर दिया कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का स्ट्राइक रेट 2019 के 8 प्रतिशत से बढ़कर 29प्रतिशत हो गया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने भाजपा के साथ 286 सीटों पर चुनाव लड़ा, जो 2014 में 370 से कम है। कांग्रेस 2004 और 2009 में अपने सहयोगियों के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंधों के कारण सत्ता में आई थी। इंडिया गठबंधन को बनाये रखने की जिम्मेदारी मोटे तौर पर कांग्रेस पर है। उसे यह समझना चाहिए कि हर साथी, चाहे वह छोटा हो या बड़ा जरूरी है। कांग्रेस ने आत्ममंथन किया है। पंचमढ़ी और शिमला इसके अच्छे उदाहरण हैं। अब एक और ऐसे सत्र का समय आ गया है।

अजब-गजब

प्लेन में वॉशरूम गई लेडी पायलट, फिर मेन पायलट ने कर दी ऐसी हरकत देख दंग रह गए पैसेंजर्स

आपने प्लेन में यात्रियों के बीच मारपीट और बदसलूकी की खबरें तो बहुत सुनी होंगी, लेकिन क्या हो जब पायलट ही बदतमीजी पर उतर आए, वो भी अपनी को-पायलट के साथ. ऐसा ही एक मामला इन दिनों खूब सुर्खियों में है, जिसके बारे में जानकर लोग दंग रह गए हैं. हुआ यूं कि श्रीलंकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में किसी बात को लेकर पायलट और को-पायलट में तीखी बहस हो गई. इसके बाद बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि फ्लाइट के कैप्टन ने लेडी को-पायलट को कॉकपिट से ही बाहर खदेड़ दिया. चौंकाने वाली इस घटना के बाद एयरलाइंस ने कैप्टन को सस्पेंड कर दिया है. मामले की जांच जारी है.

ये स्थिति तब है, जब पायलटों के पास उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी होती है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 21 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी से श्रीलंका के कोलंबो जाने वाली श्रीलंकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में हुई. बताया जा रहा है कि 10 घंटे की उड़ान के दौरान एयरबस A330 की महिला को-पायलट वॉशरूम जाने के लिए सीट से उठी थी. इसी बता को लेकर कैप्टन बिफर गया.

रिपोर्ट के मुताबिक, आरोप है कि महिला पायलट ने वॉशरूम जाने से पहले किसी अन्य अटेंडेंट को कॉकपिट में आने के लिए नहीं कहा था, जबकि किसी पायलट को कॉकपिट में अकेला छोड़ना एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिड्योर) का उल्लंघन है. इसी बात को लेकर दोनों में जोरदार बहस हुई और फिर महिला उठकर वॉशरूम चली गई. ये भी देखें: बेटी बनी हैवान! मां को मारकर किए टुकड़े-टुकड़े, फिर ओवन में पकाया और

लेकिन जब को-पायलट वॉशरूम से कॉकपिट की ओर लौटी, तो उसने दरवाजा बंद पाया. इस दौरान उसने कैप्टन से डोर खोलने की काफी गुहार लगाई, लेकिन मेन पायलट नहीं माना. इसके बाद दोनों एक-दूसरे इतनी जोर-जोर से बातें करने लगे कि फ्लाइट के अन्य क्रू मेंबर्स यहां तक कि यात्रियों को भी इसका पता चल गया. ये भी देखें: विदेशी को ईयरिंग्स उतारने पर किया मजबूर, लोग कर रहे तारीफ, पर क्यों? इसके बाद कैप्टन को कॉकपिट का दरवाजा खोलने के लिए खूब मनाना पड़ा, तब कहीं जाकर कोलंबो में प्लेन की सेफ लैंडिंग कराई गई. प्लेन में 297 पैसेंजर्स सवार थे. हालांकि, कैप्टन को उसकी ये हरकत भारी पड़ गई. उसे सस्पेंड कर दिया गया और श्रीलंका के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने मामले में जांच बैठा दी है. जांच पूरी होने तक कैप्टन को ग्राउंडेड कर दिया गया है.

संपादक की कलम से

महिला किसान ने नामुमकिन को किया मुमकिन

प्रभात पांडेय

'किसान दिवस' पर पुरुष किसानों की चर्चा जबकि चर्चाओं की हकदार महिला किसान भी हैं। खेती के कामों में दिये जाने वाले उनके नियमित योगदान को कमतर आंका जाता है। अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस और राष्ट्रीय महिला किसान दिवस 15 अक्टूबर को मनाया गया। अंतर्राष्ट्रीय ग्रामीण महिला दिवस की स्थापना 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी, जो कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा में सुधार लाने और ग्रामीण गरीबी उन्मूलन में ग्रामीण महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। महिलाएं बुवाई, रोपण, खाद, पौध संरक्षण, कटाई, निराई और भंडारण सहित कृषि के विभिन्न पहलुओं में अहम योगदान दे रही हैं। इतना सब तरह की भूमिका निभाते हुए, आज भी ग्रामीण महिलाओं के पास भूमि अधिकार और ऋण से लेकर शिक्षा और तकनीकी तक कई तरह के संसाधनों तक बहुत कम पहुंच है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर महिलाओं को पुरुषों के समान उत्पादक संसाधनों तक पहुंच होती, तो कृषि उपज में 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे 10 से 15 करोड़ अतिरिक्त लोगों को भोजन मिल सकता है।

देश में एक सर्वे के आधार पर श्रम मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों पर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट से पता चला है कि अखिल भारतीय स्तर पर सबसे ज्यादा महिलाएं कृषि क्षेत्र में है। यहां महिला कर्मचारियों की अनुमानित संख्या 63% है। जबकि एनुअल पीरिओडिक लोबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) रिपोर्ट 2021-22 की मानें तो विनिर्माण उद्योग में महिला श्रमिकों का अनुमानित प्रतिशत वितरण 11.2% है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, ग्रामीण महिलाओं की संख्या दुनिया भर की जनसंख्या की लगभग 22 फीसदी है। वे अपने समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ग्रामीण महिलाओं को भारी गरीबी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक पहुंच भी असमान होती है।

हमारे देश में भी ऐसे ही हालात हैं। महिलाओं को मेहनत करने के वावजूद न तो पहचान मिलती है और न ही अधिकार। मैरीलैंड विश्वविद्यालय और नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के द्वारा 2018 में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत में कृषि में कुल श्रम शक्ति का 42 प्रतिशत महिलाएं है लेकिन वह केवल दो प्रतिशत से भी कम कृषि भूमि की मालिक हैं। 'सन ऑफ द सॉइल' शीर्षक से वर्ष 2018 में आए ऑक्सफेम इंडिया के एक सर्वे के अनुसार खेती-किसानी से होने वाली आय पर सिर्फ 8 फीसदी महिलाओं का ही अधिकार होता है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत में महिला किसानों (मुख्यतः खेती-किसानी पर निर्भर और सीमांत) की संख्या 3.60 करोड़ थी तो महिला खेत मजदूरों (मुख्यतः खेती-किसानी पर निर्भर और सीमांत) की संख्या 6.15 करोड़ थी। गौरतलब है कि खेतों में हर उम्र की महिलाएं मज़दूरी करती है। जहां 5-9 साल की उम्र की बच्चियां भी मजदूरी करती हैं वही 80 साल से ज्यादा उम्र की लाखों महिलाएं भी मज़दूरी के लिए मज़बूर है।

यह दर्शाता है कि खेत मज़दूरों विशेष तौर पर महिला खेत मज़दूरों के जीवन में सामाजिक सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं हैं। ज़्यदातर समाजिक तौर से वंचित तबकों की महिलाएं खेत मज़दूर होती है। 81% महिला खेत मजदूर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े तबकों से हैं और उनमें से 83% भूमिहीन हैं, या छोटे और सीमांत किसानों और बंटाईदारों के परिवारों से संबंधित हैं। घरों का काम निपटाने के बाद वह खेतों में लग जाती हैं। इस लिहाज से ये आंकड़ा पुरुषों के मुकाबले आधे से भी ज्यादा हो जाता है। बावजूद इसके महिलाओं की भूमिका को पर्दे के पीछे रखा जाता है। एक अनुमान के मुताबिक किसानी में शामिल 52-75 फीसदी महिलाएं अपनढ़ या बेहद कम पढ़ी-लिखी हैं। उनमें जागरुकता की कमी है। इसीलिए अधिकतर महिलाएं अपने खेतों में बिना किसी मेहनताने के ही काम करती हैं। कृषि में पुरुष किसानों की मजदूरी महिला मजदूरों के मुकाबले में एक चौथाई तक ज्यादा होती है। पूरी दुनिया में कृषि क्षेत्र में 50 प्रतिशत योगदान ग्रामीण महिलाओं का है। समाज में आधी आबादी के सशक्तिकरण और उनके उत्थान की बातें जोर-शोर से होती हैं। उनको मुकम्मल हक फिर भी नहीं मिल पाता। पर, ऐसे हकों को अब साहसी महिलाएं अपने बूते हासिल करने लगी हैं। बिहार में 'किसान चाची' के नाम से प्रसिद्ध एक महिला किसान हमसबों के लिए बड़ा उदाहरण हैं, जिन्होंने कई जिलों में मीलों दूर साईकल चलाकर किसानी के प्रति ग्रामीण महिलाओं में अलख जगाई। उन्होंने देखा, जिन किसानों के पास खेती के लिए कम जमीनें थीं। घर-परिवार का गुजारा मुश्किल से होता था। ऐसे में किसान चाची में पुरुषों को शहरों में जाकर नौकरी करने और महिलाओं को खेती करने का रामबाण नुस्खा दिया। महिलाओं ने उनकी सलाह मानी, नतीजा ये निकला कि उनके घरों में महिला-पुरुष दोनों कमाने के लिए सशक्त हुए। बिहार में किसान चाची के प्रयास से आज कई जिलों की महिलाएं खेती बाड़ी करती हैं। महिलाओं में खेती के प्रति जागरुकता जगाने के उनके कार्यों को देखते हुए दो वर्ष पूर्व भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण सम्मान से भी नवाजा।

आजादी से लेकर अभीतक महिला किसानों के नाम पर कोई कार्य योजनाएं नहीं बनाई गई। कृषि ऐसा सेक्टर है जो जीडीपी को कोरोना जैसे संकट काल में भी संजीवनी देता है। जीडीपी के ओवरऑल ग्रोथ में तकरीबन बीस फीसदी भूमिका अदा करता है। लेकिन वह आंकड़े हमें सार्वजनिक रूप से नहीं बताते कि सकल घरेलू उत्पाद में महिलाओं का कितना योगदान होता है? दरअसल, सिस्टम के पास इकनॉमिक ग्रोथ में आधी आबादी की भूमिका नापने का कोई पैमाना नहीं है।

आधी आबादी के उत्थान के लिए केंद्र सरकार ने पिछले साल एक अच्छी पहल की है। महिला किसानों के लिए 'महिला किसान सशक्तीकरण योजना' का श्रीगणेश किया। योजना के तहत 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 84 परियोजनाओं के लिए 847 करोड़ रुपए आवंटित किए। देश में महिला किसानों की बढ़ती संख्या और कृषि से जुड़ी उनकी वर्तमान स्थिति मे सुधारने और उन्हें सशक्त बनाने के मकसद से योजना की शुरुआत की। कहा गया है कि योजना से महिलाओं को कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अवसर उपलब्ध होंगे। इसमें खेती करने के लिए महिलाओं को कर्ज व खाद और बीच में सब्सिडी देने का प्रावधान है। लेकिन, साल भर पहले शुरू हुई इस योजना की महिला किसानों को ज्यादा जानकारी नहीं है। सरकार को इस योजना का प्रचार-प्रसार करना चाहिए, ताकि यह जन-जन तक पहुंच सके और महिलाएं लाभान्वित हो सकें।

कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती जा रही है। अब महिलाएं सिर्फ चारदीवारी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि खेत-खलिहानों को फिर से हरा-भरा बनाने के काम में लगी हुई हैं। बेड़ियों को तोड़ते हुए आज महिला किसानें नवाचार और तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रही है। खेती के साथ-साथ इन सफल महिला किसानों ने पशुपालन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भी अपार सफलता हासिल की है। आज दूसरी महिलायें भी हमारी सफल महिला किसानों से प्रेरित होकर तरक्की की राहत पर चल पड़ी है। आजकल के कई युवा हमारी इन महिला किसानों से प्रेरणा ले रहे हैं। इनके योगदान को शब्दों में समेट पाना मुश्किल है।

10 बीवियां, 6 गर्लफ्रेंड, 5 स्टार होटल में ठिकाना, प्लेन और जगुआर से चलने वाले शौकीन चोर की कहानी

आर्यावर्त क्रांति

गाजियाबाद। 10 बीवियां, 6 गर्लफ्रेंड, जगुआर से चलने का शौक, हवाई जहाज में सफर और 5 स्टार होटल में कमरा। आप सोच रहे होंगे कि किसी बड़े उद्योगपति की बात हो रही है। जी नहीं, यहां बात एक चोर की हो रही है, जिसकी एक बीबी नेता है और बिहार के सीतामढ़ी में जिला पंचायत की सदस्य है। वहीं दूसरी बीवी भोजपुरी फिल्मों की हिरोइन है और मुंबई में रहती है। इस चोर की खासियत है कि जिस शहर में वारदात करने जाता है, वहां पहले लड़की पटाता है और फिर उससे निकाह कर लेता है।

दो साल पहले इस चोर को गाजियाबाद की कविनगर कोतवाली पुलिस ने अरेस्ट किया था। पुलिस ने इस चोर की जगुआर कार भी बरामद कर ली थी। हालांकि यह कार उसकी पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड है। बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले इस चोर की पहचान मोहम्मद इरफान उर्फ उजाले के रूप में हुई थी। इस चोर की कितनी बीवियां हैं, इसकी सही संख्या खुद उसे भी नहीं मालूम। हालांकि पुलिस की पूछताछ में उसने 10 बीवियों और 6 गर्लफ्रेंड के नाम गिनाए थे।

जिला पंचायत सदस्य है एक पत्नी

कहा था कि कई गर्लफ्रेंड तो ऐसी भी हैं, जिनसे दोबारा उसकी मुलाकात ही नहीं हो पायी। इस संबंध में जब उससे पूछा गया तो उसने बताया कि जिस शहर में वह वारदात करने जाता है, वहां एक लड़की से दोस्ती कर लेता है। उसने बताया कि उसकी पहली पत्नी गांव में रहती है और वह जिला पंचायत की सदस्य है। जबकि दूसरी भोजपुरी फिल्मों की हिरोइन है। दुनिया की नजर में मोहम्मद इरफान भले ही एक चोर है, लेकिन उसके गांव के लोग उसे भगवान मानते हैं।

चोरी के पैसे से गांव में कराया विकास

दरअसल वह गांव के बाहर चोरी करता है और चोरी की रकम का बड़ा हिस्सा अपने गांव के विकास में खर्च कर देता है। इस समय उसके गांव के सभी रास्ते पक्के हो गए हैं और गांव में बिजली की लाइन खींच गई और इसका पूरा खर्चा इरफान ने उठाया है। यही वजह है कि इरफान की पत्नी पहली बार निर्विरोध चुनाव जीत गई थी, वहीं दूसरी बार बड़े अंतर से चुनाव जीत गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इरफान हमेशा बड़ी चोरियों को अंजाम देता था।

बड़ी चोरियों को अंजाम देता था इरफान

वह किसी भी वारदात के लिए शहर में हफ्ते 10 दिन तक रूकता था और आलीशान कोठियों की रेकी करता था। इस दौरान मौका मिलते ही लाखों करोड़ों का माल लेकर फरार हो जाता था। बिहार से दिल्ली तक का सफर तो वह अपनी जगुआर कार में करता था, लेकिन इससे अधिक दूरी का सफर वह हवाई जहाज में करता था। आम तौर पर वह किसी भी शहर में जाता था तो भरसक 5 स्टार होटल में ठहरने की कोशिश करता था। चमचमाते कपड़े पहनने का शौकीन यह चोर जिस शहर में जाता, एक लड़की को दोस्त बना लेता था। जब तक वह उस शहर में रहता, दोनों साथ ही रहते थे। यह लोगों को अपनी पहचान उद्योगपति आर्यन खन्ना के रूप में बताता था।

आयुक्त ने की 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता तैयारियो की समीक्षा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। आज आयुक्त कार्यालय में आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ सेल्वा कुमारी जे0 की अध्यक्षता में जनपद मेरठ में आयोजित होने वाली 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती (19 वर्ष आयु वर्ग-बालक/बालिका) प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संपादन कराये जाने हेतु की गई तैयारियो की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में संयुक्त शिक्षा निदेशक प्रथम मंडल मेरठ ओंकार शुक्ल द्वारा राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता के संबंध में की गई तैयारियो का बिन्दुवार प्रजेन्टेशन दिया गया जिस पर आयुक्त महोदया ने निर्देशित किया कि मेरठ जनपद में आयोजित होने वाला यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन है, जिसमें समस्त विभागीय अधिकारियो के साथ समन्वय बनाते हुये समस्त तैयारियो को बेहतर ढ़ग से कराना सुनिश्चित करें।उन्होने कहा कि जिन अधिकारियो की कार्य के अनुसार डयूटी लगाई गई है उनके द्वारा संपादित किये जाने वाले कार्यों को के प्रति प्रशिक्षित करते हुये प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराया जाये। उन्होने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यो से प्रतिभागी, कोच तथा उनके साथ अन्य स्टाफ कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल होंगे, प्रत्येक व्यक्ति का वेरिफिकेशन सुनिश्चित किया जाये। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि होटल, ट्रांसपोटेशन एसोसिएशन एवं रेलवे से वार्ता करते हुये प्रतिभागियो के रूकने व उनके आवागमन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतियोगिता स्थल पर मेडिकल टीम प्रतिदिन उपलब्ध रहे तथा मेडिकल में बेडो को रिजर्व रखा जाये, प्रतियोगिता स्थल पर साफ-सफाई, प्रकाश, पानी आदि का बेहतर इंतजाम रहे। उद्घाटन एवं समापन के अलावा अन्य दिवसो में भी राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता में मा0 जनप्रतिनिधियो को आमंत्रित किया जाये।

किचन से चोरी हो रहे थे आलू टमाटर, सीसीटीवी लगाया तो दिखा मेड पेशाब मिलाकर गूंथ रही थी आटा

आर्यावर्त क्रांति

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक पॉश कॉलोनी में मूत्र से आटा गूंथने का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो एक रियल एस्टेट कारोबारी के घर का है, जहां एक मेड घिनौने तरीके से खाना बनाकर पूरे परिवार को खिलाती थी। वीडियो सामने आने के बाद कारोबारी ने क्रासिंग रिपब्लिक थाने में मेड के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी महिला को अरेस्ट कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी मेड ने वारदात को तो कबूल लिया है, लेकिन अभी तक नहीं बताया है कि वह ऐसी हरकत क्यों कर रही थी।

पुलिस को दिए शिकायत में पीड़ित कारोबारी ने बताया कि आरोपी मेड आठ साल ने उनके घर में खाना बना रही थी। उसका बनाया खाना खाकर उसका परिवार लीवर की बीमारी से ग्रसित हो चुका है। हालांकि अब तक उसके ऊपर किसी को शक नहीं हुआ। इसी बीच उनके घर में किचन से आल, प्याज और टमाटर आदि चोरी होने लगे। इन घटनाओं पर उन्हें मेड पर शक हुआ तो उन्होंने मेड के आने से पहले किचन में मोबाइल कैमरा ऑन कर छुपा दिया। वहीं जब मेड काम खत्म करन जाने लगी तो उन्होंने कैमरे में रिकार्ड वीडियो को देखा।

स्कूल में बच्चों से फेंकवाया टिफिन

यह वीडियो हैरान करने वाला था। इसमें साफ नजर आया कि मेड ने किचन में घुसने के कुछ ही देर बाद एक बर्तन में पेशाब किया और उसी पेशाब से आटा गूंथ कर रोटियां बना दी। फिर यही रोटियां उसने बच्चों के टिफिन में दे दी और वहीं उन लोगों के खाने के लिए भी रख दी। जाते जाते मेड किचन में से टमाटर, प्याज और आलू आदि एक पॉलिथीन में भरकर कपड़ों में छिपा लिया और वहां चली गई। कारोबारी के मुताबिक मेड के जाते ही उन्होंने वीडियो देखा और तुरंत ही स्कूल गए बच्चों को फोन कर टिफिन का खाना फेंकने को कहा।

आरोपी महिला ने कबूली वारदात

इसके बाद उन्होंने घर में भी रखा खाना फेंका और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे अरेस्ट किया है। क्रासिंग रिपब्लिक थाना पुलिस के मुताबिक आरोपी महिला ने पहले तो वारदात से अनभिज्ञता दिखाई, लेकिन उसे वीडियो दिखाया गया तो उसने वारदात को कबूल लिया। हालांकि उसने इसकी वजह अब तक नहीं बताई है। उधर, कारोबारी ने बताया कि पता नहीं कब से यह महिला अपने पेशाब वाला खाना खिला रही थी। उसकी इन्हीं हरकतों की वजह से उनके परिवार में सभी लोगों का लीवर खराब हुआ है।

एसपी देहात के पेशकार सस्पेंड, लापरवाही का आरोप

मेरठ। अफसरों के आदेश के अनुपालन में लापरवाही का बरता जाना एसपी देहात के पेशकार किरतपाल सिंह को महंगा पड़ गया। एसएसपी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया। साथ ही विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। एसपी देहात डा. राकेश कुमार मिश्रा के पेशकार किरत पाल सिंह के खिलाफ कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। एसएसपी डा. विपिन ताडा ने मंगलवार देर शाम वर्चुअल बैठक बुला ली। बैठक में सभी थानेदारों के अलावा सीओ और कार्यालय के पेशकार भी जोड़े गए थे। उन्होंने सभी थानेदारों से बारी बारी बात की। विवेचनाओं से लेकर कार्यालय में लंबित महत्वपूर्ण कार्यों का भी अपडेट लिया।

अपराध से जुड़े आंकड़े अधूरे देख एसएसपी नाराज हो गए। पता चला कि एसपी देहात के पेशकार किरत पाल सिंह को काम सौंपा गया था। नक्शे तक अपडेट नहीं पाए गए। इसके बाद एसएसपी ने फटकार लगानी शुरू कर दी।

एयरफोर्स के फ्लाइट लेफ्टिनेंट ने किया सुसाइड, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में वायुसेना परिसर आवास में फ्लाइट लेफ्टिनेंट का शव मंगलवार (15 अक्टूबर) सुबह फंदे में लटका मिला। शव मिलने के बाद वायुसेना परिसर में हड़कंप मच गया है। फ्लाइट लेफ्टिनेंट की पहचान बिहार के रहने वाले 32 वर्षीय दीन दयाल नालंदा के रूप में हुई है। घटना को लेकर वायु सेना प्रशासन मामले ने जांच शुरू कर दी है।

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय के मुताबिक फ्लाइट लेफ्टिनेंट दीनदयाल ने 14 अक्टूबर की रात अपने साथियों के साथ हंसी मजाक करते हुए खाना खाया था। इसके बाद वह अपने आवास में साने चले गए। जब दीन दयान 15 अक्टूबर की सुबह देर तक नहीं उठे तो स्टाफ ने दरवाजा खटखटाया। ऐसे में दरवाजा तोड़कर देखा गया तो उनका शव बेड के ऊपर लगे पंखे पर बेडशीट से लटका मिला।

एयरफोर्स प्रशासन ने शुरू कर दी है पूछताछ

डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने बताया कि 15 अक्टूबर की दोपहर वायु सेना स्टेशन से अधिकारी के आत्महत्या की सूचना पुलिस को दी गई थी। मौके पर थाना शाहगंज पुलिस ने पहुंच कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद शव परिवार वालों को सौंपा जाएगा। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। डीसीपी सिटी के मुताबिक पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के मामले में आगे की जांच की जाएगी। हालांकि मामले में एयरफोर्स प्रशासन दीन दयाल के दोस्तों और साथियों से पूछताछ कर रही है। इसके अलावा परिवार से पूछताछ की जाएगी और उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

पहले भी आ चुके हैं सुसाइड के मामले

इससे पहले जुलाई आगरा के एयरफोर्स स्टेशन में एक अग्निवीर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। अग्निवीर श्रीकांत कुमार चौधरी स्टेशन के तकनीकी क्षेत्र में तैनात थे। अग्निवीर श्रीकांत कुमार चौधरी ने रात करीब डेढ़ बजे सरकारी इंसास राइफल से अपने सिर में गोली मारी थी। श्रीकांत चौधरी की 6 महीने पहले यहां पोस्टिंग हुई थी। श्रीकांत से पहले 2019 में मुरादाबाद के रहने वाले स्क्वॉड्रन लीडर हिमांशु सिंह (उम्र 32 साल) ने आगरा के एयरफोर्स स्टेशन में फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी थी।

हिंदुओं के त्योहार से क्या समस्या है... ? बुलडोजर लेकर रामलीला रुकवाने पहुंची एमडीए की टीम

भाजपा विधायक ने लगाई फटकार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में बिना एनओसी परमिशन के हो रही रामलीला को रोकने के लिए एमडीए की टीम पहुंच गई। उनके साथ बुलडोजर भी मौजूद था। जानकारी मिलते ही भारतीय जनता पार्टी के विधायक रितेश गुप्ता मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों पर जमकर फटकार लगाई। उनकी एमडीए के सचिव से तीखीं बहस हुई। विधायक की लताड़ से टीम बिना कार्रवाई किए वापस लौट गई। इस मामले का वीडियो वायरल हो रहा है।

रामलीला का आयोजन सोनकपुर पुल के नजदीक कांशीराम नगर स्थित मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की जमीन पर हो रहा था। आयोजकों के मुताबिक, उनके द्वारा जिला प्रशासन से रामलीला आयोजन की परमीशन ली

गई थी। वहीं एमडीए का कहना है कि रामलीला का आयोजन बिना एनओसी के कराया जा रहा था। मंगलवार को उसी स्थान पर रावण दहन का कार्यक्रम भी था। मौके पर नगर विधायक पहुंचे। उन्होंने एमडीए के जेई और एई की जमकर क्लास लगाई। नगर विधायक रितेश गुप्ता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में वह मुरादाबाद विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को हड़काते दिख रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि आखिर आपको हिंदुओं के त्योहार से क्या समस्या है? आखिर क्यों आप लोग शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हो। वह कहते हैं कि यहां पर ही तमाम एमडीए के अधिकारी को बुलाओ तब मैं यहां से हटूंगा। विधायक रितेश गुप्ता वीडियो में यह भी कहते दिख रहे हैं कि 'मैं बैठा हूं यहां, जिसे आना है आये में देखता हूं। क्या अब हिंदुओ के कार्यक्रमो को रोका जाएगा?' रामलीला स्थल पर विधायक के आने की खबर सुनकर मौके पर एमडीए सचिव पहुंची। इस दौरान उन्होंने विधायक से आयोजकों द्वारा एनओसी परमिशन न लेने और नियम विरुद्ध रामलीला आयोजन करने की बात कही। इस पर विधायक ने कहा कि वह जानते हैं एमडीए कितने नियम से काम करता है। उन्होंने कहा कि रामलीला आयोजक एमडीए की जमीन उठाकर नहीं ले जा रहा। काफी देर तक बहस होने के बाद मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की टीम वापस लौट गई। इस मामले में एमडीए के अधिकारी ने कहा कि पिछली बार जो रामलीला आयोजित की गई थी उसमें प्राधिकरण की NOC ली गई थी। विकास प्राधिकरण के अधिकारी का कहना है इस बार बगैर NOC लिए हुए रामलीला का आयोजन किया जा रहा था, जिस पर विकास प्राधिकरण की टीम मौके पर पहुंची।

मंत्री के करीबी का कनेक्शन पीडी करने में सुविधा शुल्क मांगा तीन हजार

फलावदा। कस्बे के मोहल्ला आंबेडकर निवासी एक युवक ने चक्की के लिए स्वीकृत अपने 11 केवी भार के बिजली कनेक्शन को पीडी करवाने के लिए आवेदन किया था। विभाग द्वारा उसका मीटर तो उतार दिया गया, लेकिन कनेक्शन पीडी नहीं किया गया। इसके चलते उपभोक्ता मंगलवार को स्थानीय बिजली घर पहुंच गया। उसने बताया कि जेई मौजूद न होने पर मौजूद कर्मचारी से उससे काम पूछ लिया। उपभोक्ता ने कनेक्शन पीडी करने की बात रखी। आरोप है कि कर्मचारी ने पीडी कराने के एवज तीन हजार रुपये का सुविधा शुल्क मांग लिया। उपभोक्ता ने रसीद का सवाल रखते हुए सुविधा शुल्क देने से इंकार कर दिया। साथ ही रिश्वत मांगने की शिकायत राज्य मंत्री दिनेश खटीक से करने की चेतावनी दी। यह सुनते ही आरोपी कर्मचारी के होश उड़ गए। उसने चंद घंटे बाद ही जुगाड़ निकाल कर उपभोक्ता से संपर्क साध लिया।

न कांपे हाथ न दहला दिल... शराब के लिए पैसे न देने पर भाई के सिर में घोंपा पेचकस

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। जनपद में शराब पीने के लिए पैसा न देने पर बड़े भाई ने छोटे भाई को सिर में पेचकस घोंप कर मार डाला। पूरा मामला राजगढ़ थाना क्षेत्र के धुरकर गांव का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक राजेश पाल ने बांस बेचा था, जिसके पैसा बड़ा भाई राजू पाल शराब पीने के लिए मांग रहा था। इस वजह से दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। ऐसे में पैसे ने मिलने पर बड़े भाई राजू पाल ने सो रहे छोटे भाई राजेश के सिर पर पेचकस से हमला कर दिया।

राजेश पाल को घायल देख परिवार वालों ने उसे तुरंत राजगढ़ सीएचसी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छोटे भाई की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर

आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पैसों को लेकर हुआ था विवाद

मृतक राजेश पाल की भाभी बिंदु ने बताया कि मंगलवार 15 अक्टूबर शाम 6 बजे बड़े भाई ने 20 बांस और छोटे भाई ने पूरी बांस की कोठी को बेचा था और इन सबका पैसा राजेश पाल के पास था। उसी पैसा को राजू मांग रहा था। पैसों को लेकर दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद जब राजेश सोने गया तो राजू ने हथौड़ी और पेचकस उठाकर उसके सिर में मार दिया।

नशे की हालत में थे दोनों भाई

पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ओपी सिंह ने बताया, "राजेश पाल और उसका बड़ा भाई राजू पाल दोनों शराब पिए हुए थे और नशे की हालत में थे। ऐसे में जब राजेश पाल सो गया तो राजू ने छोटे भाई को सोते समय पेचकस से तीन-चार बार प्रहार किया जिसे गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसे सी एच सी राजगढ़ ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई है।" उन्होंने कहा कि इस मामले में आरोपी को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम को भेज कर जांच की जा रही है।

यूपी उपचुनाव की मझधार में अकेले उतरेंगी मायावती, बसपा क्या तोड़ पाएगी 14 साल का वनवास

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का औपचारिक ऐलान हो गया है। इन सभी 9 सीटों पर 13 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। बीजेपी और सपा के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है, लेकिन बसपा ने भी उपचुनाव में ताल ठोक दी है। लोकसभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा प्रमुख मायावती के सामने उपचुनाव में खाता खोलने की ही चुनौती नहीं है बल्कि 14 साल बाद उपचुनाव में जीत हासिल करने का चैलेंज है।

दलित-शोषित और वंचित समाज के सहारे कभी सत्ता की सियासी बुलंदी छूने वाली बसपा के लिए अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। लोकसभा के बाद हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों से यह बात साफ हो गई कि बसपा प्रमुख मायावती की पकड़ दलित समुदाय पर ढीली होती जा रही है। ऐसे में

बसपा ने यूपी उपचुनाव में अकेले सभी 9 सीटों पर लड़ने का फैसला किया है। मायावती ने जातीय समीकरण देखते हुए प्रत्याशी भी तय कर लिए हैं, लेकिन देखना है कि उपचुनाव के सियासी मझधार में बसपा की नैया कैसे पार होती है?

बसपा ने किस सीट से किसे दिया टिकट?

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बसपा उपचुनाव में यह प्रयास करेगी कि उसके लोग इधर-उधर न भटकें। वह पूरी तरह से बसपा से जुड़कर बाबा साहब डॉ। भीमराव अंबेडकर के आत्मसम्मान और स्वाभिमान कारवां के सारथी बनकर शासक वर्ग बनने का मिशनरी प्रयास जारी रखें। यूपी में नौ विधानसभा की सीटों पर हो रहे उपचुनाव में भी बीएसपी अपने उम्मीदवार उतारेगी और यह चुनाव भी अकेले ही अपने बलबूते पर पूरी तैयारी एवं दमदारी के साथ लड़ेगी।

बसपा विपक्ष में रहते हुए उपचुनाव से दूरी बनाए रखती थी, लेकिन अब किस्मत आजमाने का फैसला किया है। यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर बसपा उपचुनाव लड़ेगी। बसपा ने फूलपुर में शिवबरन पासी, मीरापुर से शाहनजर, सीसामऊ से रवि गुप्ता, कटेहरी से जीतेंद्र वर्मा, मझवां से दीपक कुमार तिवारी उर्फ दीपू, गाजियाबाद से रवि गौतम और करहल से रमेश शाक्य बौद्ध को प्रभारी बनाया है, जिन्हें बाद में प्रत्याशी घोषित किया जा सकता है। कुंदरकी और खैर सीट पर बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

बसपा ने आखिरी उपचुनाव 2010 में जीता

उत्तर प्रदेश में बसपा ने अपना आखिरी उपचुनाव 2010 में जीता था, जब मायावती के सत्ता में रहते हुए सिद्धार्थनगर की डुमरियागंज सीट पर हुए उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी खातून तौफीक ने बीजेपी को 15 हजार से अधिक वोटों के अंतर से हराया था। इसके बाद मायावती ने खुद अपनी सरकार में हुए उपचुनाव में भी अपनी पार्टी के प्रत्याशी को नहीं उतारा। बसपा उपचुनाव से दूरी बनाए रखती थी, लेकिन 2022 में आजमगढ़ लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मायावती ने अपना उम्मीदवार उतारा था। बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली भले ही चुनाव नहीं जीत सके, लेकिन ढाई लाख के करीब वोट हासिल करके सपा का सियासी गेम बिगाड़ दिया था। इसके बाद यूपी में हुए उपचुनाव में बसपा ने कोई भी प्रत्याशी नहीं उतारा।

लोकसभा चुनाव के बाद यूपी की सियासी स्थिति बदल गई है। मायावती की पार्टी का खाता नहीं खुला और वोट शेयर कांग्रेस के वोट शेयर से भी नीचे आ गया था। कांग्रेस ने 17 लोकसभा सीटों पर लड़कर 9.46 फीसदी वोट शेयर पाया, जबकि बसपा को 79 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद 9.39 फीसदी ही वोट मिला। बसपा को लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा नुकसान इंडिया गठबंधन ने किया, क्योंकि दलित समुदाय का वोट सपा और कांग्रेस को मिला है। इससे पहले बसपा का वोट बीजेपी के हिस्से में जाता रहा। 2012 के बाद से लगातार बसपा का आधार कमजोर हुआ है और दलित समुदाय को जोड़े रखने के लिए ही मायावती उपचुनाव में किस्मत आजमाने का फैसला किया है। यूपी की जिन 9 सीटों पर उपचुनाव है, उनमें से एक भी सीट बसपा 2022 के चुनाव में नहीं जीत सकी थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सिर्फ बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट पर जीत मिली थी, जहां से उमा शंकर सिंह विधायक बने हैं। लोकसभा में एक भी सांसद बसपा का नहीं है। ऐसे में बसपा के लिए उपचुनाव में खाता खोलने की चुनौती खड़ी हो गई है। यूपी उपचुनाव से भले ही सत्ता का कुछ बनने और बिगड़ने वाला न हो, लेकिन 2027 का सेमीफाइनल जरूर माना जा रहा है।

बसपा की स्थिति करो या मरो वाली

बसपा उपचुनाव में भले ही अकेले मैदान में उतरी हो, लेकिन सीट के जातीय समीकरण के लिहाज से उम्मीदवार उतारे हैं। सूबे की जिन सीटों पर उपचुनाव हैं, उसमें मझवां, कटेहरी, मीरापुर जैसे विधानसभा सीटों पर बसपा का अपना सियासी दबदबा रहा है। मझवां सीट पर बसपा 5 बार जीतने में कामयाब रही है, जबकि सपा अभी तक खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह मीरापुर और कटेहरी सीट भी सपा की तुलना में बसपा के लिए ज्यादा मुफीद रही है। इतना ही नहीं दलित वोटों के लिहाज से भी अहम है।

यूपी के उपचुनाव में बसपा की स्थिति करो या मरो वाली है। बसपा उपचुनाव में अगर एक भी सीट जीतना चाहती है तो उसे एक तरफ से सपा के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करना है, तो दूसरी तरफ बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए से दो-दो हाथ करना होगा। इसीलिए उपचुनाव में बसपा के सामने सिर्फ खाता खोलने की ही नहीं बल्कि दलित समुदाय के वोटों को भी वापस लाने की चुनौती है। ऐसे में देखना है कि मायावती का दांव कितना कारगर रहता है।

कोविड-19 के बाद अब एक 'नई महामारी' को लेकर अलर्ट, इस एक आदत ने बढ़ा दिया है खतरा

क्यों बढ़ रहे हैं मायोपिया के मामले

'द लैंसेट डिजिटल हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया था कि स्क्रीन टाइम ने बच्चों और युवाओं में मायोपिया के जोखिम को पहले की तुलना में काफी बढ़ा दिया है। स्मार्ट डिवाइस की स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताना मायोपिया के खतरे को 30 फीसदी तक बढ़ा देता है। इसके साथ ही कंप्यूटर के अत्यधिक उपयोग के कारण यह जोखिम बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गया है। इसके अलावा कोरोना महामारी की नकारात्मक स्थितियों जैसे लोगों को ज्यादा से ज्यादा समय घरों में बीतना, बाहर खेलकूद में कमी और ऑनलाइन क्लासेज के कारण आंखों से संबधित इस रोग के मामले और भी बढ़ गए हैं।

मायोपिया के बढ़ते मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बचपन में मायोपिया का निदान होने से जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है, यह सिर्फ चश्मे पर निर्भरता की समस्या नहीं है बल्कि इसके कारण ग्लूकोमा और रेटिनल डिटेचमेंट जैसी आंखों की अन्य बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। कुछ अध्ययनों का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक दुनिया की लगभग आधी आबादी मायोपिया से पीड़ित हो सकती है। भारत में, बच्चों में मायोपिया की घटना लगातार बढ़ रही है। कोरोना महामारी ने इसके जोखिमों को और भी बढ़ा दिया है।

साल 2019 के अंत में शुरू हुई कोविड-19 महामारी का असर अब भले ही हल्का हो गया है पर संक्रमण का खतरा वैश्विक स्तर पर अब भी बना हुआ है। वायरस में म्यूटेशन से उत्पन्न होने वाले नए-नए वेरिएंट्स विशेषज्ञों की चिंता बढ़ाते रहे हैं। इस बीच स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दुनियाभर में बढ़ती एक नई महामारी को लेकर लोगों को अलर्ट किया है।

विशेषज्ञों ने कहा, हम सभी तकनीक से प्रेरित इस दुनिया में दिनभर किसी ने किसी तरह के स्क्रीन से चिपके रहते हैं। मोबाइल, टेलीविजन हो या लैपटॉप, इनके अधिक उपयोग के कारण हमारा स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है जो एक नई महामारी को जन्म दे सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, दुनियाभर में बहुत तेजी से आंखों से संबंधित समस्या, विशेषतौर पर मायोपिया (निकट दृष्टिदोष) के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यह बच्चों में सबसे ज्यादा रिपोर्ट की जा रही समस्या है जिसके कारण कम दिखाई देने और समय के साथ अंधेपन का खतरा बढ़ जाता है। अगर समय रहते इसे नियंत्रित करने के लिए प्रयास न किए गए तो अगले एक-दो दशक में वयस्कों की बड़ी आबादी मायोपिया से पीड़ित हो सकती है। ये निश्चित ही गंभीर चिंता का विषय है।

मायोपिया के कारण मानसिक रोगों का खतरा

नेत्र रोग विशेषज्ञ कहते हैं, ज्यादातर मामलों में मायोपिया का निदान बचपन में ही किया जाता है। ये समस्या सिर्फ आंखों तक ही सीमित नही हैं, इसके कारण मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक असर होने का खतरा रहता है। मायोपिया के कारण बच्चों की विशिष्ट खेलों और अन्य गतिविधियों में भागीदारी कम हो जाती है। बाहर खेल-कूद में कमी के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। मायोपिया के शिकार लोगों में भविष्य में स्ट्रेस-एंग्जाइटी और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई तरह की अन्य विकारों का जोखिम अधिक हो सकता है।

बच्चों में मायोपिया की बढ़ती समस्या

ब्रिटिश जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में बच्चों में मायोपिया की बढ़ती समस्या को लेकर अलर्ट किया गया है। 50 देशों में पांच मिलियन (50 लाख) से अधिक बच्चों और किशोरों पर किए गए शोध में पाया गया है कि एशियाई देशों में इसका जोखिम सबसे अधिक देखा जा रहा है। जापान में 85% और दक्षिण कोरिया में 73% बच्चे निकट दृष्टि दोष से ग्रस्त हैं, जबकि चीन और रूस में 40% से अधिक बच्चे इससे प्रभावित हैं।

मायोपिया के बारे में जानिए

नेत्र रोग विशेषज्ञों के मुताबिक मायोपिया (निकट दृष्टिदोष) आंखों की गंभीर समस्या है, जिसमें रोगी को अपने निकट की वस्तुएं तो स्पष्ट रूप से देखती हैं, लेकिन दूर की वस्तुएं धुंधली दिखाई पड़ती हैं। इसमें आंख का आकार बदल जाता है। सामान्यतौर पर आंख की सुरक्षात्मक बाहरी परत कॉर्निया के बड़े हो जाने के कारण ऐसी समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में आंख में प्रवेश करने वाला प्रकाश ठीक से फोकस नहीं कर पाता है।

कई बीमारियों का कारण बन सकती है नींद न आने की समस्या, आप भी हैं परेशान तो करें ये तीन काम

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है।

नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है।

अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

नींद न आने की समस्या

नींद न आने की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं (जैसे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मानसिक विकार और अन्य क्रोनिक बीमारियां) को बढ़ाने वाली हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है।

स्मार्टफोन और स्क्रीन से दूरी बनाएं

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

सोने का समय निर्धारित करें

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

शारीरिक व्यायाम करें

नियमित शारीरिक व्यायाम-योग नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

वजन घटाने के लिए करते हैं इंटरमिटेंट फास्टिंग

वजन बढ़ने की वजह से शारीरिक समस्याएं तो हो ही सकती हैं, वहीं लोग अपने बॉडी शेप को लेकर बुरा फील करने लगते हैं, जिस वजह से कॉन्फिडेंस कम होने लगता है और इसलिए इसी वजह से ज्यादातर लोग तेजी से वेट लॉस करना चाहते हैं। इसी के चलते में कई तरह की डाइट को फॉलो करने ट्रेड चल पड़ा हैं। फिलहाल इन्हीं डाइट में से एक डाइट इंटरमिटेंट फास्टिंग की बात कर लेते हैं जिसमें कुछ घंटों तक बिल्कुल भी नहीं खाते हैं और फिर कुछ घंटे खाना खाने के लिए रखे जाते हैं। इस तरह से इसी साइकिल को दोहराते हुए लोग फास्टिंग और ईटिंग का रूल फॉलो करते हैं। ये डाइटिंग वेट लॉस में काफी कारगर मानी जाती है, लेकिन इससे सेहत को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं।

वेट कंट्रोल करना बेहद जरूरी होता है, नहीं तो ये कई बीमारियों की वजह बन सकता है। इसके अलावा अगर ज्यादा वजन बढ़ जाए तो डेली रूटीन के काम करने में भी दिक्कत हो सकती है, इसलिए वेट कंट्रोल करना जरूरी होता है, लेकिन सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से पहले सही जानकारी लेना जरूरी होता है और जिन लोगों को हेल्थ से जुड़ी समस्याएं जैसे डायबिटीज, हीमोग्लोबिन की कमी, हार्मोनल इंबैलेंस आदि हैं, उन्हें इससे बचना चाहिए। फिलहाल जान लेते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग के क्या नुकसान हो सकते हैं।

थकान और कमजोरी महसूस होना

इंटरमिटेंट फास्टिंग में लोग 8 घंटे फास्टिंग करते हैं और बाकी के 16 घंटे के दौरान खाया जा सकता है, या फिर लोग 12 घंटे फास्टिंग और 12 घंटे खानपान का रूल अपनाते हैं। इसलिए काफी थकान और कमजोरी हो सकती है, जिसकी वजह से चक्कर आना, नींद महसूस होना जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

मूड स्विंग और सिरदर्द होना

जब इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं और लंबे समय तक पेट खाली रहता है तो इससे सिरदर्द की समस्या हो सकती है और स्ट्रेस फील होने लगता है, जिस वजह से कार्टिसोल बढ़ता है। इससे नींद में रुकावट आने की वजह से मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी जैसी दिक्कतें होने की संभावना रहती है। ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर लो हो सकता है, इसलिए पहले से अगर आपको इस तरह की कोई समस्या है तो इंटरमिटेंट फास्टिंग न करें।

कब्ज की हो सकती है समस्या

इंटरमिटेंट फास्टिंग करने के दौरान लंबे समय तक पेट खाली रहता है और फिर जब आप खाना खाते हैं तो इससे पाचन को नुकसान पहुंच सकता है और कब्ज की समस्या हो सकती है। इसलिए इंटरमिटेंट फास्टिंग के दौरान ध्यान रखें की फाइबर से भरपूर चीजें खाएं।

डिहाइड्रेशन (पानी की कमी हो जाना)

इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं और कुछ बातों का ध्यान न रखा जाए तो डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। जिस वजह से आपको मांसपेशियों में ऐंठन, सिरदर्द, चक्कर आना आदि दिक्कतें हो सकती हैं। अगर इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो उस दौरान कैफीन वाली चीजें चाय-कॉफी लेने से बचना चाहिए। वहीं भरपूर मात्रा में पानी पीने के अलावा कोकोनट वाटर, नींबू पानी आदि लेते रहना चाहिए।

रात में लेते हैं खर्राटे? इससे छुटकारा दिलाने में असरदार हैं ये घरेलू नुस्खे

कई लोग रात में तेज खर्राटे लेते हैं। जिसकी वजह से उनके साथी की नींद काफी प्रभावित होती है। इसे कम करने के लिए लोग लाइफस्टाइल में बदलाव और बहुत ही चीजें करते हैं। ऐसे ही कुछ घरेलू नुस्खे इस समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं।

रात में खर्राटे लेना एक आम समस्या है। आप में से कई या फिर कोई जानकार खर्राटे जरूर लेता ही होगा। ये समस्या न सिर्फ एक व्यक्ति के लिए बल्कि परिवार और एक कमरे में सोने वाले व्यक्ति के लिए परेशानी का कारण बन जाती है। अगर साथ वाला रातभर खर्राटे ले रहा हो तो इससे दूसरे व्यक्ति की भी नींद खराब होती है। खर्राटे लेने के पीछे कई कारण हो सकते हैं।

खर्राटे की समस्या से कई लोग परेशान है। साथ ही उनके साथ की नींद भी इस समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए लोग काफी प्रयास करते हैं। हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और हेल्दी डाइट कई तरह के बदलाव करते हैं। लेकिन इसके अलावा खर्राटों को कम करने के लिए इन घरेलू नुस्खों को भी अपना सकते हैं।

पानी और पुदीना

खर्राटों को कम करने के लिए आप एक गिलास पानी में पुदीने की कुछ पत्तियों को डालकर उबालें और ठंडा होने पर उस पानी का सेवन करें। इससे आपको काफी हद तक राहत मिलेगी। इस नुस्खे को अपनाने से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी।

दालचीनी पाउडर

आप दालचीनी पाउडर का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर पिएं। इससे आपको असर दिख सकता है।

लहसुन

लहसुन भी इस समस्या को कम करने में काफी मदद कर सकता है। इसके लिए आपको रात में सोने से पहले लहसुन की कली को भुनेऔर गुनगुने पानी के साथ उसका सेवन करें। लेकिन एक बात का ध्यान रखें लहसुन की तासीर गर्म होती है ऐसे में ज्यादा गर्म मौसम या ज्यादा मात्रा में इसका सेवन करने से बचें। साथ ही जिन लोगों को गर्म चीजें से एलर्जी हो जाती है वो भी इसका परहेज करने से बचें।

जैतून का तेल

जैतून का तेल सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। खर्राटों की समस्या को कम करने में भी ये तेल मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको रात में सोने से जैतून के तेल की कुछ बूंदें नाक में डालें।

देसी घी

खर्राटों की समस्या को कम करने के लिए आप देसी घी का उपयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए देसी घी को गुनगुना कर एक बूंद को घी अपने नाम में डालना होता है। ध्यान रखें घी को ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए।

400 दिन की एफडी पर ये बैंक दे रहा मोटा रिटर्न, कितना कमाएंगे सीनियर सिटीजन

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बीओबी उत्सव डिपॉजिट स्कीम शुरू की है। जिसकी अवधि 400 दिन है। स्टेट लेंडर इस स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम जनता को 7 .30 फीसदी का रिटर्न दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजंस को इस स्कीम से कितना रिटर्न मिल रहा है?

आरबीआई एमपीसी ने ब्याज दरों में एक बार फिर से कोई बदलाव ना करते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से कमाई करने की गुंजाइश को खत्म नहीं होने दिया है। ऐसे में देश के तमाम सरकारी और प्राइवेट बैंक एफडी पर अच्छा रिटर्न देने में लगे हुए हैं। ऐसा ही एक सरकारी बैंक अपनी 400 दिनों की स्पेशल एफडी पर मोटी कमाई करा रहा है। जी हां, ये बैंक कोई और नहीं बल्कि बैंक ऑफ बड़ौदा है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने बीओबी उत्सव डिपॉजिट स्कीम शुरू की है। जिसकी अवधि 400 दिन है। स्टेट लेंडर इस स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम जनता को 7.30 फीसदी का रिटर्न दिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजंस को इस स्कीम से कितना रिटर्न मिल रहा है?

सीनियर सिटीजंस को कितना मिलेगा रिटर्न

सीनियर सिटीजंस इस योजना पर अतिरिक्त 0.50 फीसदी यानी 7.80 फीसदी ब्याज हासिल करने के हकदार हैं, जबकि सुपर सीनियर सिटीजंस को इस स्कीम में 7.90 फीसदी रिटर्न मिलेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा की दूसरी एफडी की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा 2 से 3 साल के बीच की अवधि वाली जमा राशि पर 7.15 फीसदी की हाईएस्ट ब्याज दर (बीओबी उत्सव जमा योजना के अलावा) दे रहा है।

बैंक 1 वर्ष से 2 वर्ष के बीच की अवधि की डिपॉजिट पर बैंक का रिटर्न 7 फीसदी है। 3-5 साल के बीच की एफडी पर बैंक की ओर से 6.8 फीसदी का रिटर्न दिया जा रहा है।

वहीं 5-10 साल के बीच एफडी पर निवेशकों को 6.5 फीसदी की कमाई हो रही है। इसके अलावा 1 साल की एफडी पर बैंक निवेशकों को 6.85 फीसदी का रिटर्न दे रहा है।

271 दिनों से एक वर्ष से कम की एफडी पर निवेशकों का रिटर्न घटकर 6.5 प्रतिशत हो जाती है। 211 दिन से 270 दिन की एफडी पर निवेशकों का रिटर्न और कम होकर 6.25 फीसदी हो जाता है।

181 दिन से 210 दिन की एफडी पर बैंक 5.75 फीसदी ब्याज दे रहा है। वहीं 91 से 180 दिनों की एफडी पर निवेशकों को 5.60 फीसदी की कमाई हो रही है।

46 दिन से 90 दिन के बीच की एफडी पर निवेशकों को 5.5 फीसदी ब्याज मिल रहा है। वहीं 15 दिन से 45 दिन के बीच की एफडी पर ये रिटर्न 4.5 फीसदी है।

7 से 14 दिन की एफडी पर निवेशकों को मिलने वाला रिटर्न 4.25 फीसदी है। ये नई ब्याज दरें 14 अक्टूबर, 2024 को लागू हुईं। सीनियर सिटीजंस को इन ब्याज दरों से एक्स्ट्रा 0.50 फीसदी ज्यादा मिलेगा।

रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ग्रुप का सबसे बड़ा ऐलान, बनाया ये प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन टाटा के निधन को ज्यादा समय नहीं हुआ है, और टाटा ग्रुप की ओर से बड़ा ऐलान कर दिया गया है। टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन। चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि उनका ग्रुप अगले पांच साल में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में पांच लाख नौकरियों को जेनरेट करेगा। रतन टाटा का निधन कुछ दिन पहले ही हुआ है। उसके बाद नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का प्रमुख बना दिया गया। नोएल टाटा रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। उनकी मां का नाम सिमोन टाटा है। जो कि ट्रेंट लिमिटेड की चेयरमैन हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर टाटा ग्रुप के चेयरमैन ने अपने ऐलान में और क्या बातें कही हैं।

5 लाख नौकरी पैदा करेगा टाटा ग्रुप

भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन (आईएफक्यूएम) द्वारा आयोजित संगोष्ठी में टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि भारत विकास की नीति के बिना विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में हमारे (टाटा समूह के) निवेश, प्रीसीजन मैन्यूफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में हमारे निवेश के बीच मुझे लगता है कि हम अगले पांच वर्षों में पांच लाख मैन्युफैक्चरिंग नौकरियों का सृजन करेंगे। असम में ग्रुप के आगामी सेमीकंडक्टर प्लांट तथा इलेक्ट्रिक वाहनों व बैटरी के लिए अन्य नई विनिर्माण इकाइयों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि हम कई प्लांट स्थापित कर रहे हैं।

विकसित भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग जरूरी

उन्होंने इन इनिशिएटिव्स में सरकार के सपोर्ट की सराहना की और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सृजन की आवश्यकता पर बल दिया। चंद्रशेखरन ने कहा कि यदि हम मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सृजन नहीं कर सकते तो हम विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकते, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि हर महीने 10 लाख लोग वर्कफोर्स में आ रहे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि हमें 10 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। उन्होंने सेमीकंडक्टर जैसे नए युग के मैन्युफैक्चरिंग के महत्व पर जोर दिया जो हर एक रोजगार के लिए आठ से दस इनडायरेक्ट नौकरियों उत्पन्न करता है।

बीआईएस को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित करने चाहिए : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच मिले।

राष्ट्रीय राजधानी में 'विश्व मानक दिवस' पर मुख्य भाषण देते हुए मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं की भलाई गुणवत्तापूर्ण उत्पादों तक पहुंच पर निर्भर करती है, जबकि उद्योग की वृद्धि और लाभ सीधे इन उच्च गुणवत्ता वाले सामानों की मांग से जुड़ी हुई है।

मंत्री जोशी ने उपस्थित लोगों से कहा, यह उपभोक्ताओं और उत्पादकों की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करने वाला एक समग्र नजरिया है, जो मजबूत गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दृष्टिकोण पर जोर दिया कि देश को अपनी सर्वोत्तम गुणवत्ता के लिए पहचाना जाए और भारत खुद को विश्व मानकों का पर्याय बनाने का प्रयास करे।

मंत्री ने जोर देकर कहा, बीआईएस को गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार में इसका योगदान भी है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास को समृद्ध बनाने, मेड इन इंडिया लेबल को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर ब्रांड भारत की स्थापना करने में बीआईएस की बहुत बड़ी भूमिका है।

नया बीआईएस अधिनियम 2016 व्यापार करने में आसानी को और मजबूत करेगा और मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देगा।

मंत्री के अनुसार, 22,300 से अधिक मानक लागू हैं और 94 प्रतिशत भारतीय मानकों को आईएसओ और आईएसई मानकों के साथ सुसंगत बनाया जा रहा है। मंत्री जोशी ने बताया कि आज 732 उत्पादों के 174 गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के लिए अधिसूचित किए गए हैं, जबकि 2014 तक 106 उत्पादों के केवल 14 क्यूसीओ थे।

उन्होंने कहा, भारत, जो वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, को मानकों में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि वे समाज की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करते हैं, उत्पाद और सेवा में सुरक्षा, गुणवत्ता और विश्वास सुनिश्चित करते हैं।

कश्मीर पर पाकिस्तान को फिर मिला चीन का कंधा, SCO समिट में मिले सुर से सुर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में दो दिवसीय SCO शिखर सम्मेलन शुरू हो गया है। 15 से 16 अक्टूबर तक चलने वाले इस शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान अपनी मेजबानी दिखा दुनियाभर में अपनी छवि सुधारने की कोशिश कर रहा है। भारत की ओर से विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान पहुंचे हैं। विदेश मंत्री ने मंगलवार रात पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की।

9 साल बाद हो रही इस यात्रा से दोनों देशों के रिश्तो में सुधार होने की उम्मीद की जा रही है, लेकिन पाकिस्तान यहां भी कश्मीर का राग अलापने लगा है। हर बार की तरह पाकिस्तान को इस मुद्दे पर चीन का खुला साथ मिल रहा है, चीन ने कश्मीर मुद्दों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने की बात कही है।

चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग 15 अक्टूबर को चार दिवसीय द्विपक्षीय यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे। अपनी इस यात्रा के दौरान वे 23वीं SCO समिट की बैठक में भी शामिल होंगे। चीनी पीएम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिले, चीन-पाकिस्तान के अधिकारियों की बैठक के बाद दोनों देशों ने 30 प्वाइंट का ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी किया। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर समझौते हुए हैं। इसमें कश्मीर का मुद्दा भी शामिल है। चीन-पाकिस्तान के ज्वाइंट स्टेटमेंट के 25 वे प्वाइंट में कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया गया है। चीनी प्रधानमंत्री ने कश्मीर मुद्दे को UN चार्टर से हल करने की बात कह रहे है। चीन ने कहा है कि कश्मीर मुद्दे को दोनों देश शांतिपूर्ण ढंग से हल करें। चीन के जवाब में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कश्मीर विवाद पर चीन के समर्थन की सराहना की है और एक चीन नीति, ताइवान, तिब्बत, हांगकांग, झिंजियांग और दक्षिण चीन सागर सहित सभी प्रमुख मुद्दों पर पाक के चीन को समर्थन को दोहराया है।

'ऐसा तो हमने गाजा में भी नहीं देखा था', लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकाने देखकर चौंके इस्राइली सैनिक

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों को दिखाया गया है। वीडियो में दिख रहा है कि हिजबुल्ला के ठिकानों को देखकर इस्राइली सैनिक भी हैरान हैं और वो कह रहे हैं कि उन्होंने गाजा में ऐसा नहीं देखा था, जहां हमास ने जमीन के भीतर सुरंगों में अपने ठिकाने बनाए हुए थे। हालांकि ये साफ नहीं है कि ये वीडियो कहां फिल्माया गया है और कब का है।

सुरंग देखकर इस्राइली सैनिक भी हैरान

कुछ मिनट की इस वीडियो में इस्राइली सैनिक एक करीब 100 मीटर लंबी टनल को दिखा रहे हैं, जिसमें रहने और खाने का पूरा इंतजाम मौजूद है और किसी भी आपात स्थिति में बड़ी संख्या में लोग इन सुरंगों में कई हफ्तों तक रह सकते हैं। जब इस्राइली सेना ने हिजबुल्ला की इन सुरंगों पर छापा मारा तो वहां लोहे के दरवाजों के पीछे कई सारे कमरे, जहां बिस्तर लगे हुए थे। साथ ही बाथरूम, बिजली के लिए जनरेटर, पानी की टंकी और यहां तक कि दोपहिया वाहन और उनके भंडारण के भी कमरे बने हुए थे। इन सुरंगों में सारी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद थी।

इस्राइली सेना ने बताया कि जब वे सुरंग में पहुंचे तो बिस्तर पर खाना और आधुनिक हथियार जिनमें एके-47 राइफल्स आदि भी रखी हुईं थी। माना जा रहा है कि इस्राइली सेना के छापे की सूचना मिलते ही हिजबुल्ला के लड़ाके मौके से फरार हो गए। बीते साल 7 अक्तूबर को हमास ने इस्राइल की सीमा में घुसकर हमला किया था और 1200 से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद इस्राइल ने गाजा में हमले शुरू किए। एक साल तक गाजा पर हवाई हमलों और जमीनी आक्रमण और करीब 50 हजार लोगों की मौत के बाद अब इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले शुरू किए हैं।

रिहायशी इलाकों में मकानों के नीचे मिलीं सुरंगें

इस्राइली हमलों में अब तक हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला समेत कई शीर्ष कमांडर ढेर हो चुके हैं। अब इस्राइली सेना दक्षिणी लेबनान में जमीनी हमले कर रही है। इस्राइली सेना ने जिस सुरंग का पता लगाया है, वह लेबनान के ग्रामीण इलाकों में बने मकानों के नीचे मौजूद हैं। खास बात ये है कि इन सुरंगों में निकास भी है। पिछले महीने भी इस्राइली सेना ने हिजबुल्ला की सुरंगों के बारे में जानकारी दी थी और कहा था कि कुछ सुरंगे तो इस्राइल की सीमा में खुलती हैं। इस्राइली सेना ने मंगलवार को हिजबुल्ला के तीन लड़ाकों को भी पकड़ा है, जो एक इमारत में छिपे हुए थे। इस्राइली सेना ने कहा है कि हिजबुल्ला के लड़ाकों के पास से हथियार भी बरामद हुए हैं।

रोक देंगे मदद...ईरान से तनाव के बीच इजराइल को अमेरिका की चेतावनी

गाजा, एजेंसी। गाजा में जारी मानवीय संकट पर अमेरिका ने सख्त रुख अपना लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने पत्र लिखकर इजराइल को चेतावनी दी है, गाजा में अगर मानवीय सहायता में सुधार नहीं हुआ तो इजराइल को दी जानी वाली सैन्य मदद रोक दी जाएगी।

अमेरिका ने पत्र के जरिए इजराइल के सामने कई महत्वपूर्ण मांगे रखी है। पत्र में हर दिन गाजा में 350 ट्रक ऐड जाने की परमिशन देने, अपनी कार्रवाइयों के दौरान मानवाधिकारों का सम्मान करने की बात कही गई है। पिछले कुछ महीनों से गाजा पहुंचने वाली मदद में भारी गिरावट आई है, जिसकी वजह से गाजा संकट और गहराता जा रहा है। अमेरिका की ये मांग अमेरिका चुनाव से कुछ ही हफ्तों पहले आई है। मांगों को पूरा करने के लिए इजराइल को एक महीने का वक्त दिया गया है। 13 नवंबर तक अगर इजराइल गाजा में मानवीय मदद का प्रवाह नहीं बढ़ाता है, तो अमेरिका इजराइल की सैन्य मदद रोक सकता है।

चुनाव से पहले पूरे अमेरिका में जारी प्रो फिलिस्तीनी प्रदर्शनों ने बाइडेन प्रशासन की चिंताओं को बढ़ा दिया है। गाजा में सीजफायर और बंधक डील न हो पाने के बाद से अरब और मुस्लिम वोटरों का रुख डेमोक्रेटिक पार्टी से खफा रहा है। अमेरिका की इस समय आई मांग से साफ हो रहा है कि बाइडेन प्रशासन के लिए मानवीय स्थिति को सुधारना सिर्फ एक नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि एक खास राजनीतिक जरूरत भी है।

इजराइल का पत्र पर जवाब

इस पत्र के प्रतिक्रिया में इजराइली अधिकारियों ने इशारा किया है कि वे अमेरिका की इन मांगों को संबोधित करने का इरादा रख रहे हैं। हालांकि इजराइल पहले भी मानवीय सहायता को बढ़ाने की बात करता रहा है, लेकिन सितंबर के महीने में गाजा में सहायता प्रवाह 50 फीसद तक घट गया था। गाजा के लिए दुनिया भर से आए मदद के ट्रक इस वक्त राफा क्रासिंग पर ही खड़े है, जिसका कंट्रोल इस समय पूरी तरह से इजराइल के हाथ में है। अब देखना होगा क्या अमेरिका की मांग के बाद गाजा निवासियों की जरूरतों को पूरा किया जा सके या इजराइल के हमलों के साथ-साथ मानवीय स्थिति भी गहराती जाएगी।

हर वर्ल्ड पुरस्कार में छाई भारतीय मूल की महिलाएं...जूडिथ प्रकाश और शांति परेरा के सम्मानित किया गया

सिंगापुर, एजेंसी। अपने-अपने क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करने वाली भारतीय मूल की दो महिलाओं को सिंगापुर में स्थानीय फैशन और स्टाइल पत्रिका 'हर वर्ल्ड' द्वारा सम्मानित किया गया है। इन्हें यह सम्मान अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया। एक को न्यायपालिका के क्षेत्र में और दूसरी को खेल के क्षेत्र में।

द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 72 वर्षीय न्यायमूर्ति जूडिथ प्रकाश को सोमवार को पत्रिका के वार्षिक पुरस्कार समारोह में कानूनी क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य के लिए 'हर वर्ल्ड वूमन ऑफ द ईयर 2024' घोषित किया गया। न्यायमूर्ति प्रकाश सिंगापुर की पहली महिला अपील न्यायाधीश हैं और उन्हें पहली बार 1992 में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ में नियुक्त किया गया था।

न्यायाधीश के रूप में अपने 31 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने लगभग 645 निर्णय लिखे और उनमें से आधे से अधिक को उनके महत्व तथा मूल्यवान कानूनी प्रस्तावों के कारण विधि रिपोर्टों में शामिल करने के लिए चुना गया है। एसपीएच मीडिया ने एक बयान में कहा कि न्यायमूर्ति प्रकाश ने महत्वाकांक्षी महिला वकीलों के लिए न्यायपालिका में अपना करियर बनाने का मार्ग प्रशस्त किया।

वर्ल्ड यंग वूमन अचीवर 2024

खेल के क्षेत्र में सम्मानित होने वाली राष्ट्रीय धावक शांति परेरा को उनकी उपलब्धियों के लिए 'वर्ल्ड यंग वूमन अचीवर 2024' पुरस्कार मिला। वर्ष 2018 से 2022 की शुरुआत के बीच परेरा को कई असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और 100 मीटर तथा 200 मीटर में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

परेरा को पिंडली में चोट की पीड़ा झेलने के कारण दो छात्रवृत्तियों से हाथ धोना पड़ा। लेकिन इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, अपने लक्ष्य से नहीं चूकीं। परेरा ने वर्ष 2023 में एशियाई खेलों में 100 मीटर में रजत और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीता, जो 1974 के बाद से सिंगापुर के लिए पहला ट्रैक और फील्ड स्वर्ण पदक था। एसपीएच मीडिया ने परेरा को सिंगापुर में कई युवा महिलाओं और खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श बताया।

मैतई–कुकी और नगा समुदाय की दिल्ली में बैठक, क्या बनी सहमति?

मुंबई, एजेंसी। मणिपुर में करीब 17 महीने पहले भड़की जातीय हिंसा के बाद राज्य में शांति बहाल करने के प्रयास तेज हो गए हैं. पहली बार मैतई, कुकी और नागा समुदायों के विधायकों ने गृह मंत्रालय की अपील पर दिल्ली में बैठक की. इस बैठक में कुल 17 विधायक शामिल हुए, जिनमें 9 मैतई समुदाय के, 5 कुकी समुदाय के और 3 नागा समुदाय के थे. इस महत्वपूर्ण बैठक में गृह मंत्रालय के वार्ताकार ए. के. मिश्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे. करीब चार घंटे तक चली इस बैठक के नतीजों के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है. साथ ही बैठक में बीजेपी नेता संबित पात्रा की भी उपस्थिति रही.

गृह मंत्री ने की बातचीत

सूत्रों के अनुसार, गृह मंत्रालय ने सभी विधायकों और मंत्रियों को पत्रों और टेलीफोन कॉल के माध्यम से बैठक में भाग लेने का निमंत्रण दिया था. गौरतलब है कि करीब एक महीने पहले गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए मैतई और कुकी समुदायों के बीच बातचीत की आवश्यकता है. उन्होंने आश्वासन दिया था कि केंद्र सरकार दोनों समूहों के साथ चर्चा कर रही है. इस बयान के बाद ही इस बैठक का आयोजन हुआ.

अब तक 220 से अधिक लोग मारे जा चुके

पिछले साल मई में मणिपुर में जातीय हिंसा तब भड़की थी, जब राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में कुकी समुदाय ने मैतई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के विरोध में जनजातीय एकता मार्च निकाला था. तब से जारी इस हिंसा में अब तक 220 से अधिक लोग, जिनमें कुकी और मैतई समुदायों के लोग और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, मारे जा चुके हैं. कुकी विधायकों ने बैठक में मणिपुर के आदिवासी लोगों के लिए अलग प्रशासन या केंद्र शासित प्रदेश की मांग को भी दोहराया. भाजपा के सात विधायकों सहित 10 कुकी विधायकों ने हाल ही में आयोजित विधानसभा सत्रों में भाग नहीं लिया था.

'महाविकास अघाड़ी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने की चुनौती देता हूं', बोले डिप्टी सीएम फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब मात्र एक महीना ही बचा हुआ है। ऐसे में राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए 'महायुति' सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने एमवीए पर 'विकास विरोधी दृष्टिकोण' के साथ काम करने का आरोप लगाया।

विपक्ष पर बड़ा हमला

वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महा विकास अघाड़ी सीएम चेहरे की घोषणा इसलिए नहीं कर रही क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि चुनाव के बाद उनका सीएम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'हमें मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि हमारे सीएम यहां ही बैठे हुए हैं। मैं पवार साहब को चुनौती देता हूं कि वह मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम का एलान करें।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अजित पवार ने मुंबई में अपनी संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान 'महायुति' सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इस दौरान आरपीआई (ए) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले भी मौजूद रहे।

फडणवीस ने कहा, 'हमने सभी योजनाओं की घोषणा कर दी है। उन योजनाओं के लिए सभी वित्तीय प्रावधान और बजट बनाए हैं और इतना ही नहीं, हम अपने घोषणा पत्र में सभी के लिए कुछ नई योजनाओं और लाभों की भी घोषणा करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हमारे द्वारा एलान की गई सभी योजनाओं और वादों को वित्तीय प्रावधान का पूरा समर्थन मिलेगा तथा किसी भी योजना में हमारी ओर से वित्तीय सहायता की कमी नहीं होगी। शुरू में जब हमने लड़की बहन योजना की घोषणा की, तो विपक्ष के लोग दावा कर रहे थे कि खातों में पैसा जमा नहीं किया जाएगा, लेकिन अब तक हमारे राज्य के 2.5 करोड़ से अधिक लाभार्थियों के खातों में कम से कम 4 से 5 किस्तें जमा की गई हैं।'

पिछले दो साल का रिपोर्ट कार्ड पेश

महायुति के सहयोगियों ने पिछले दो साल में सरकार के कामकाज का 'रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। अजित पवार ने कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए उनकी सरकार की 'लाडकी बहिन' जैसी योजनाओं को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से उनके विरोधी चकित हैं।

एमवीए विकास विरोधी दृष्टिकोण से काम कर रहा: महायुति

शिंदे, फडणवीस और पवार ने विपक्ष पर 'झूठा विमर्श' गढ़ने का भी आरोप लगाया। शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के नेता आम आदमी के लिए एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन एमवीए विकास विरोधी दृष्टिकोण से काम कर रहा है। बता दें, एमवीए में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं। फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार परिवर्तनकारी योजनाएं लेकर आई है। राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

बंगलूरू में भारी बारिश से तबाही, डूबा मॉल, लोगों को घर से निकालने के लिए ट्रैक्टरों का इस्तेमाल

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू समेत राज्य के अन्य हिस्सों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मंगलवार को भारी बारिश के कारण बंगलूरू के येलाहांका में स्थित फीनिक्स मॉल ऑफ एशिया पानी में डूब गया। सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में देखा गया कि मॉल के पार्किंग और प्रवेश द्वार पर पानी भरा है, जिससे ग्राहक मॉल के अंदर नहीं जा पा रहे हैं। बता दें कि यह बंगलूरू का सबसे लंबा और बड़ा मॉल है। मंगलवार को हुई बारिश ने तबाही मचा दी और मॉल के चारों तरफ पानी भर गया। क्षेत्र में पानी भरने के कारण लोगों को ट्रैक्टर ट्रॉली के जरिए घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पानी निकालने की कोशिश कर रहे हैं मॉल के प्रबंधक

मॉल के प्रबंधक पानी को निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कि ग्राहक अंदर आ सके। पिछले साल जब इस मॉल का उद्घाटन हुआ था तब से ही यह खबरों में बना हुआ है। मॉल के लोकेशन को लेकर भी सवाल उठाया गया था। बंगलूरू पुलिस ने पिछले साल ही मॉल को 15 दिनों के लिए बंद रखने का आदेश दिया था, क्योंकि इससे बंगलूरू के उत्तरी हिस्से में यातायात में दिक्कत होने लगी थी। भारी बारिश के कारण येलाहंका में बाढ़ आ गई। हर तरफ सड़कों पर पानी भरने के कारण केंद्रीय विहार अपार्टमेंट के निवासी को ट्रैक्टर ट्रॉली की मदद से बचाया गया।

कर्नाटक सरकार ने की स्कूल बंद रखने की घोषणा

कर्नाटक सरकार ने भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण बेंगलुरु शहर जिले में स्कूल बंद करने की घोषणा की है। बेंगलुरु शहरी जिला कलेक्टर जगदीश ने शहर के सभी तालुकों के आंगनवाड़ी केंद्र, सरकारी और निजी स्कूलों के लिए छुट्टी का आदेश दिया और घोषणा की। चूंकि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर सरकारी अवकाश है, इसलिए राज्य में 17 अक्तूबर को भी स्कूल बंद रहेंगे। केवल कर्नाटक ही नहीं बल्कि तमिलनाडु और आंध्र-प्रदेश भी बारिश भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो गया है। सड़क से लेकर ट्रेन और हवाई यातायात व्यवस्था चरमरा गई। कई ट्रेनें और उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

पैसे ऐंठने के इरादे से रवीना पर किया गया मॉब अटैक? बोलीं- रिकॉर्ड करने के लिए सीसीटीवी नहीं था

अभिनेत्री रवीना टंडन अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वे अक्सर कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात कहती रहती हैं। सिनेमा जगत में 90 के दशक में उनका जलवा था। उन्होंने कई हिट फिल्में दी है। हाल ही में, रवीना ने कथित तौर पर जून में अपने ऊपर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगने और भीड़ द्वारा घेर लिए जाने की घटना को याद किया। इसके साथ ही अभिनेत्री ने यह भी बताया कि इसके लिए भुगतान करना पड़ा क्योंकि सच्चाई रिकॉर्ड करने के लिए कोई सीसीटीवी नहीं था।

हाल ही में एक साक्षात्कार में, रवीना ने खुलासा किया कि लगभग ऐसी ही घटना ऋचा चड्ढा के साथ ठीक एक दिन बाद हुई थी। उन्होंने कहा, 'सच्चाई रिकॉर्ड करने के लिए कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है।' अभिनेत्री ने कहा कि ऋचा आधिकारिक शिकायत नहीं दर्ज कर पाईं और उनके पास अधिकारियों की सलाह के अनुसार निजी तौर पर मामले को सुलझाने के अलावा कोई और ऑप्शन नहीं था।'

रवीना टंडन ने जून में अपने साथ हुई एक भयावह घटना के बारे में बात करते हुए न्यूज एक्स लाइव से बताया कि खुद पर हुए हमले के अगले दिन उन्हें ऋचा चड्ढा का फोन आया, जिन्होंने भीड़ के साथ हुए इसी तरह के अनुभव के बारे में बताया। रवीना का मानना है कि ये घटनाएं मुंबई में एक परेशान करने वाले पैटर्न को दर्शाती हैं, जो केवल डर पैदा करने के लिए रची गई लगती हैं।

बता दें कि जून में एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें रवीना टंडन और स्थानीय लोगों के एक ग्रुप की आपसी मुठभेड़ दिखाई गई थी, जिन्होंने अभिनेत्री पर और उनके ड्राइवर पर तीन महिलाओं पर हमला करने का आरोप लगाया था। जब रवीना ने स्थिति को सुलझाने के लिए भीड़ से बात करने की तो कथित तौर पर अभिनेत्री को धक्का मारा गया था।

रवीना ने अपने मामले के बारे में बताया कि पुलिस जांच ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भीड़ का हमला उनसे पैसे ऐंठने के इरादे से किया गया था। वीडियो में वह यह कहते हुए नजर आ रही हैं, ₹कृपया मुझे मत मारो₹, जबकि भीड़ में से एक व्यक्ति ने उनके ड्राइवर पर अपनी मां को घायल करने का आरोप लगाया था।

हाउसफुल 5 का बीटीएस वीडियो हुआ वायरल, मस्ती करती नजर आईं जैकलीन फर्नांडीज–नरगिस फाखरी–सोनम बाजवा

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी और सोनम बाजवा ने फिल्म हाउसफुल 5 की शूटिंग का एक शानदार और मजेदार BTS वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया है। इस वीडियो में इन तीनों अभिनेत्रियों की बॉन्डिंग शानदार नजर आ रही है। इन तीनों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

साजिद नाडियाडवाला की बहुप्रतीक्षित कॉमेडी ड्रामा फिल्म हाउसफुल 5 की रिलीज का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि यह फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होगी, लेकिन फिल्म से जुड़ी हर एक जानकारी पर प्रशंसकों की नजरें रहती हैं। सोनम बाजवा ने हाल ही में सेट से पर्दे के पीछे की झलक साझा की, जहां वह जैकलीन और नरगिस के साथ कुछ मजेदार पलों का आनंद लेती नजर आईं। वीडियो में तीनों खूबसूरत अभिनेत्रियां मस्ती करती नजर आ रही हैं।

हाउसफुल 5 के दौरान का वीडियो

सोनम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर हाउसफुल 5 की को-स्टार जैकलीन फर्नांडीज और नरगिस फाखरी के साथ मस्ती भरे पलों को दिखाते हुए एक शानदार वीडियो साझा किया है। उनकी मस्ती भरी हरकतें उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रही हैं। तीनों अभिनेत्रियां इस वीडियो में सुहाने मौसम का लुत्फ उठाती, पार्क में खुशी से नाचती और अपने कुत्ते को टहलाती नजर आईं। तीनों का यह शानदार वीडियो उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है।

सोनम का प्यारा नोट

तीनों अभिनेत्रियां सड़कों पर बारिश में नाचने से लेकर सूर्योदय का आनंद लेती बेहद सुंदर दिखाई दीं। तीनों की जबर्दस्त बॉन्डिंग को देखकर प्रशंसक भी उनकी प्रशंसा करे बगैर रह नहीं पाए। सोनम ने वीडियो को कैप्शन लिखा, 'पिछले कुछ दिन मेरे लिए कैसे दिखे और इन दो खूबसूरत लड़कियों ने मेरा पूरा दिल जीत लिया है।' सोनम की इस पोस्ट पर जैकलीन ने कमेंट्स में फूलों वाली इमोजी साझा की, जबकि नरगिस में लिखा, 'बहुत प्यारा वीडियो है।' एक फैन ने लिखा, 'बेहद खूबसूरत', एक और फैन ने लिखा, 'तीनों बहुत सुंदर दिख रही हैं।' एक और फैन ने लिखा, 'हाउसफुल 5 का इंतजार है।'

फिल्म हाउसफुल 5

इससे पहले, हाउसफुल 5 के निर्माता, साजिद नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट ने हाल ही में पूरे कलाकारों की टुकड़ी के साथ एक रोमांचक तस्वीर साझा की थी। इस फिलम में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सौंदर्या शर्मा, डिनो मोरिया, श्रेयस तलपड़े, निकितिन धीर, जॉनी लीवर, चंकी पांडे, रंजीत जैसे सितारे शामिल हैं। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, हाउसफुल 5 अगले साल 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com